जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 18 अगस्त, 2022

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: CHURU: AURIC MOTORS: CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9929224455. LALSOT: CALL: 9950254414. BANDIKUI: CALL: 9950780018. MAHWA: CALL: 9413918647. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9672585891. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: . **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291-2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on S-Presso (Petrol- V & V+ variants only), WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS) and Celerio (Petrol- all variants except AGS and L variants), *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st August 2022.

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

महाजनी संस्कृति के जाल में फंसी है शिक्षा व्यवस्था

विलासिता खुली अर्थव्यवस्था का एक आवश्यक अंग है। विलासिता पर लोग खर्च करते हैं उससे, मॉल सजते हैं, बाज़ार चलता है। जनसंचार के माध्यमों पर चल रहे प्रचार तंत्र के जरिये बाज़ार हमें उन चीजों पर खर्च करने को प्रेरित करता है जो वास्तव में हमारे जीवन की मूलभूत जरूरतें नहीं होतीं, विलासिता की वस्तुएं होती हैं। समाजशास्त्री मानते हैं कि पूंजीवाद और वामपंथ दोनों का अंतिम सामाजिक लक्ष्य एक ही है। वह लक्ष्य है सब तक विलासिता पहुंचाना। दोनों विचारधाराओं के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, मगर लक्ष्य एक ही रहा है। वामपंथ के शासन में कठोर नियंत्रण से सबको बराबर विलासिता का हक़ सुनिश्चित करने के प्रयास किये गए। दूसरी तरफ पूंजीवाद भी विलासिता में सबकी बराबर भागीदारी चाहता है मगर यह बाज़ार की व्यवस्था में शासन की कम से कम दखलंदाजी तथा निजी पूंजी को सुनिश्चित करता है और लोगों की स्वतंत्ररूप से चुनने का मंत्र देता है। इन दोनों के बीच समाजवाद भी होता है जिसके समर्थक व्यक्ति की स्वतन्त्रता के साथ शासन के जरिये सामाजिक नियंत्रण पर राजी हो लेते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी का यह समय ऐसा है जब विज्ञान आधारित तकनीकी बदलाव जबर्दस्त तेजी से हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है। मानव अपने इतिहास में इतनी तेजी से ऐसा बदलाव पहली बार अनुभव कर रहा है। इन्हीं बदलावों और जरूरतों के चलते हुए नई आर्थिक नीतियां आमूल परिवर्तनों की तरफदारी करती हैं। हम सहमत हों या असहमत, बदलाव को हमें स्वीकार करना पड़ेगा। इसके अलावा हमारे पास अन्य कोई चारा भी नहीं है। पूंजीवाद की बाढ़ का जो दरवाजा कांग्रेस की सरकार ने खोला था उसे बंद करना अब असंभव है। अब हर तरफ पूंजी का बोलबाला है और सभी उसी की शरण में है उसी प्रकार जैसे **बुद्धम शरणम गच्छामि!** या फिर भक्ति काल में **कृष्णम शरणम ममः।** ऐसे भारतीय मन को पहले राजा या सामंतशाही ने और बाद में हल्के वामपक्ष की ओर झुकाव लिये समाजवाद ने भी आकर्षित किया। आज़ादी के बाद सब कुछ ऊपर वाला करेगा याने सरकार करेगी के भाव ने लोकतन्त्र में भी अधिनायकवाद को नए रूप में जारी रखा। इसके नतीजे में गणतन्त्र का निर्वाचित नेतृत्व का व्यवहार सामंती और अधिनायकवादी होता चला गया।

बाज़ार आस्था को भी भुना लेना जानता है। इसे विद्यानिवास मिश्र ने महाजनी सभ्यता का इंद्रजाल कहा था। यह इंद्रजाल हमारी सनातन परम्पराओं, जो रूढ़ियां नहीं है, की शिक्षा का शमन करता है। इसके लिए वह सबसे पहले हमारे मन को हरता है। भारतीय मन पोथी वाला मन नहीं है। इसलिए यहां की मौखिक परंपरा गहरी मानवीय संवेदना की शिक्षा देती रही है। नयी पोथियों वाली शिक्षा प्रमाणपत्र देती है। वह केवल आश्वस्त भर करती है कि विद्यार्थी ने अमुक विषय की मुख्य पोथियां पढ़ ली है और उनके बारे में पूछे गए सवालों के निर्धारित जवाब औपचारिक परीक्षा में दे दिये हैं। उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री का प्रमाणपत्र मिलता है कि उसने शिक्षा पा ली है। ऐसे प्रमाणपत्रों की शिक्षा जीवन में दूर तक साथ नहीं चलती। विस्मृत हो जाती है, क्योंकि उसका जीवन के कारोबार में कोई उपयोग नहीं होता। इसीलिए कहा जाता है कि आज के प्रमाणपत्रों वाली शिक्षा एक गहरी मानवीय मौखिक परंपरा वाली शिक्षा की पूर्ण विस्मृति की महंगी कीमत पर प्राप्त की गई है। शिक्षा अनंत जिज्ञासा, घनी आत्मीयता, और अपार करुणा का भाव देती है। ऐसी शिक्षा की व्यवस्था प्रमाणपत्र पाने की दक्षता देने वाले व्यावसायिक शिक्षण संस्थान कैसे कर सकते हैं! प्रमाणपत्र देने वाला शिक्षण अहंकार देता है। ऐसी जीत का अहंकार जो किसी भी कीमत पर हासिल की गई हो।

एक समय जब शिक्षक ने भारतीय मौखिक परंपरा को विस्मृत नहीं किया था तब उसमें गुरुत्व था।

आज की शिक्षा व्यवस्था मानवीयता के नैतिक दायित्वों से मुंह फेरते हुए आधारहीन और मूल्यहीन राजसत्ता में अपना वर्चस्व बनाने का लोभ भी पैदा करती है। आज की शिक्षा सत्ता में कुर्सी पाने या उसे बनाए रखने के लिए अनुष्ठान करना सिखाती है। एक ठहरा हुआ मूल्य सिखाती है।

वह प्रमाणपत्रों के लिए ही नहीं जीवन के लिए भी छात्रों को तैयार करता था। मगर आज की शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थी को अपने आप से, अपने समाज से, अपने परिवेश से अजनबी बनाती है। हर समय चौकन्ना रहना सिखाती है कि कहीं कोई और उसे पीछे न छोड़ दे। महाजनी संस्कृति की शिक्षा के संस्थान दंभपूर्ण आडंबर ओढ़े रहते हैं। इसी चमक से वे सबको भरमाते हैं। वे विद्यार्थियों को यही सिखाते हैं कि प्रतियोगिता में चूक मत करना नहीं तो दौड़ से बाहर हो जाओगे। दौड़ो, दौड़ो। दौड़ते हुए जीतने के लिए भले ही साथ वाले को टंगड़ी मारनी पड़े या अपने प्रभाव से खेल के नियम बदलवा देने पड़ें, मगर जीतने की ज़िद पर अड़े रहो। इस प्रकार देखें तो देखें तो पूरी शिक्षा व्यवस्था में असफल के लिए कोई स्थान नहीं है। शासन हो, समाज हो, अभिभावक हो, या शिक्षक सभी केवल सफलता के गुण सिखाने के प्रयासों में लगे रहते हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि सभी सफल होना चाहते हैं। सबको लगता है कि सफलता आखिर में उनके सब ऐब छिपा देगी। आज के विद्यार्थी को यह सिखाया जा रहा है कि खेल में जीतने के लिए रैफरी को खरीदना पड़े तो वह भी जायज है क्योंकि कहीं कोई जीतने में चूक हुई नहीं कि उसकी ज़िंदगी का सुख छिन जाएगा। सभी यह कहने का पाखंड तो करते हैं कि सीखने में, आगे बढ़ने में, और सफलता पाने में असफलता आवश्यक हैं, किंतु हमें शिक्षा तो असली जिंदगी में असफलता से बचने की दी जाती है। असफलता को दंडित किया जाता है। अब तो विफलता का भूत लोगों के दिमाग पर पहले से कहीं ज्यादा हावी है। अनिश्चितताओं तथा तेजी से आ रहे परिवर्तनों ने असफलता के भूत की छाया को औरअधिक विकराल कर दिया है। असफलता हमें बुरी लगती है। हमारा दिमाग गलतियों से होने वाले परिणामों पर अधिक केंद्रित रहता है, बनिस्पत कि उसके द्वारा खोले गए अवसरों के।

जब जीवन की शिक्षा में सफलता ही एकमात्र सूत्र बन जाती है तब कोई कितना ही बचे उसे झूठ, फरेब और बेईमानी की राह पर चल कर सफलता पाना आसान लगने लगता है। आश्चर्य नहीं कि आज का युवा पूछता है कि मैं अगर सत्य बोलता हूं और असफल होता हूं, तो क्या करूं? बेईमानी से बचा जाय कि सफलता छोड़ी जाए, क्या किया जाए? जैसे सवालों के जवाब हमारी आज की शिक्षा में नहीं सिखाए जाते। जीवन में बार-बार असफलता मानव के मन में एक भय पैदा करती है। इसलिए वह उन परिस्थितियों से बचने का प्रयास करता है जो उसे असफलता की ओर धकेलती है। इस भय के चलते अनेक लोग अपने सपनों से दूर चले जाते हैं और हीन भावना से भर जाते हैं। जीवन के आज के ऐसे सत्य से हमारी शिक्षा निगाह फेरे हुए है उस कि ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। हम जीवन की प्रतिकूलता के खिलाफ मजबूत बनने की कोशिश करते हैं मगर हम असफलता के विषय का जिक्र ही नहीं करते, उसे भूल जाना चाहते हैं। असफलता से हम निराश महसूस करते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि हम अपने बारे मे कैसे सोचते है और दूसरे लोगों के बारे मे कैसे सोचते है इसी में सारा रहस्य छुपा है। हमारे विचार ही हमारी भावनाओं को प्रभावित करते हैं। वे कहते हैं कि किसी परेशानी की हालत में हमारे विचार हमारी भावनाओं और हमारे शारीरिक लक्षणों को प्रभावित कर सकते है।

आज की शिक्षा व्यवस्था मानवीयता के नैतिक दायित्वों से मुंह फेरते हुए आधारहीन और मूल्यहीन राजसत्ता में अपना वर्चस्व बनाने का लोभ भी पैदा करती है। आज की शिक्षा सत्ता में कुर्सी पाने या उसे बनाए रखने के लिए अनुष्ठान करना सिखाती है। एक ठहरा हुआ मूल्य सिखाती है। जबकि असली शिक्षा निरंतर जांचा जाने वाला, और जांचा जाकर निरंतर नये रूप में निखर कर उभरने वाला मूल्य सिखाती है। बहुतों को तो यहां तक लगता है कि भारत को एक कचरा फेंकू उपभोक्ता संस्कृति वाला ऐसा देश बनाने पर हमारी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था आमादा है जहां सभी लोग बाज़ार के शिकंजे में फंसे हों। सभी पर खरीदो-खरीदो, भले ही बैंक से उधार लेकर ही खरीदो, पर खरीदो का पागलपन सर्वत्र हावी नज़र आता है। कुछ पाने की एक अजीब सी लाचारी में सभी लोग अपने को फंसा पाते हैं। ऐसे में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाएं पास करके और प्रमाणपत्र आधारित चयन प्रक्रिया की व्यवस्था से चुने जा कर बने शिक्षकों से कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वे तत्व ज्ञान वाली भाषा बोल या समझ सकते हैं और वैसी शिक्षा दे सकते हैं। आज की शिक्षा हमें अंध विश्वासों और घोर अकर्मण्य नियतिवाद में ही धकेलती है। यह सबको स्पष्ट दीख भी रहा है। शिक्षा जब बाज़ार का हित साधने वाली बना दी जाती है तब यही होता है। ऐसा इसे कौन बनाता है? हमारे नीति निर्माता और लोकतान्त्रिक विधि से चुने हुए जन प्रतिनिधि इन हालात के जिम्मेवार हैं। हालांकि ये जन प्रतिनिधि विधि सम्मत लोकतान्त्रिक दरवाजों से होकर सत्ता में पहुंचते हैं और नीति निर्धारक बनते हैं, परंतु उनका व्यवहार दर्शाता है कि वे सिर्फ एक ही नीति जानते हैं और वह कि किस प्रकार सत्ता पर अपना कब्जा बनाये रखना और जनहित के मुखौटों के पीछे अपने लिए और अपनों के लिए हो कर रहना और काम करना। इसलिए उन्हें ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ही दरकार रहती है जो सबको मृग मरीचिका में भटकाए रखे ताकि दौड़ते-हांफते लोगों के पास उनसे कोई सवाल करने का समय ही न रहे। इसलिए महाजनी संस्कृति उन्हें बड़ी रास आती है। मगर भारतीय मन ऐसा नहीं है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

विश्व छायांकन दिवस पर विशेष

जड़ में चेतन की तलाश करती दृश्य-छंद कला

छायांकन विरल कला है। छायांकन दृश्य में बसे अदृश्य सौंदर्य को अंवेरने की अद्भुत कला है। छायाकार रंग, स्पेस, रेखाओं और परिवेश से जुड़ी तमाम कलात्मक संभावनाओं का एक तरह से हम सबके समक्ष आकाश खोलता है।

मुझे लगता है, छायांकन देखने को संस्कारित करने की दृश्य -छंद कला है। इस कला के अंतर्गत छायाकार चीजों, व्यक्तियों और यथार्थ से जुड़े दृश्यों में एक प्रकार से रमता है। छायांकन असल में देखे, अनुभूत किए हुए यथार्थ को अपनी मौलिक दीठ में सर्वथा नए ढंग से रूपायित करने की ही विरल कला है।

रघुराय ने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की परन्तु भारतीय जन जीवन, प्रकृति दृष्यावलियों, युद्ध, आस्था स्थलों, स्मारकों के साथ ही राजनीतिक, सामाजिक जीवन से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों के उनके छायाचित्र जड़ को जीवंत करने वाले हैं। एक छायाकार की अंतर्मन अनुभूतियों के भाव को उनकी छायांकन कला संग पढ़ा ही नहीं देखा जा सकता है। रघुराय के संगीत, नृत्य, नाट्य आदि कलाओं से जुड़े कलात्मक छायाचित्रों में कलाकारों के जरिए कला के समय को भी हम सुन-गुन और बांच सकते हैं। छायाकार महेश स्वामी ने कभी नृत्य में छाया-प्रकाश से उभरती भंगिमाओं का ध्यान-लोक सिरजा था। इधर कुछ बरसों से वह कैमरे से ली पेड़-पौधों की जीवंत छवियों का कैनवस रूपान्तरण कर रहे हैं।

अविनाश पसरीचा के हिमालय के चित्र, निमाई घोष के सत्यजीत राय की सिने कला और व्यक्तित्व से जुड़े चित्र, राजदीप राकेश के लोक संवेदना से जुड़े उत्सवधर्मिता से जुड़े छायाचित्रों को देखते बहुतेरी बार यह भी लगता रहा है कि बजरिए छायाचित्र हम कला की उस प्रस्तुति समय में प्रवेश कर गये हैं।

अकबर पदमसी लिखते हैं, 'मैं चित्रकार हूं पर कई बार कैमरे से चित्रकारी करता हूं। परछाइयां रोशनी को शिल्पित करती हैं ।' यह सच है, छायांकन में परछाई में भी रोशनी से बहुत कुछ नया सिरजती है। छायाकार देखे हुए में अपनी संवेदना, घटित किसी तात्कालिकता में उपजे क्षण के सौंदर्य, दृश्य में निहित गहराई, गंभीरता या व्यक्ति या वस्तु से जुड़े किन्हीं अचरज भावों को अपने तईं कैमरे की आंख से जब परोटता है, तब उसका वह कैमरे का छायांकन, कला में रूपान्तरित हो जाता है। आज ही विश्व छायांकन दिवस पर पुष्पेंद्र उपाध्याय की पहली छायाचित्र प्रदर्शनी जवाहर कला केन्द्र में हो रही है। यह देखना सुखद है कि अपने चित्रों में उन्होंने प्रकृति रचे परिवेश को अंतर के अपने उजास से शिल्पित किया है। मुझे लगता है, छायाकार प्रकृति में क्षण-क्षण में जो परिवर्तित होता है, उस सत्य का सौन्दर्यान्वेषण है, छायांकन कला।

कुछ समय पहले ही प्रख्यात कलाकार हिम्मत शाह अपनी कलाकृतियों की एक किताब 'हाई रिलीफ वर्क बाई हिम्मत शाह' स्वयं वह घर आकर देकर गए थे। उनके द्वारा 1968-69 में सेंट जेवियर स्कूल, अहमदाबाद में दीवार पर सीमेंट,

डॉ. राजेश कुमार व्यास

कंक्रीट, पत्थर और ईटों से बेहद कलात्मक म्यूरल कार्य के चितराम इसमें है। पुस्तक में छायाकार सुरेन्द्र पटेल और राघव कनेरिया ने उनके सिरजे उस समय के सुंदर भित्ति चित्र, दीवार के खंड खंड सौन्दर्य के अखंड को गहरे से जिया है। उनके उन छाया चित्रों को देखकर ही मुझे यह भी अनुभूत हुआ, यह छायांकन ही है जिसमें किसी दूसरी कला साधना को इस तरह से सदा के लिए जीवंत कर कला इतिहास की सौंदर्य सृष्टि होती है। युवा छायाकार आकाश शर्मा ने इधर गोविंद देव जी, नाथद्वारा की कृष्ण मूर्तियों के छायाचित्रों को अपने स्तर पर परस्पर एक साथ संयोजित कर डिजिटल प्रिंट के विरल प्रयोग किये हैं। इन्हे देखकर मन में विचार आते हैं, छायांकन यथार्थ के बरक्स नवीन यथार्थ रचने की कला ही क्या नहीं है! बहरहाल, प्रख्यात प्रिंट मेकर, कलाकार जयकृष्ण अग्रवाल की जवाहर कला केन्द्र में कभी जयपुर के जन्तर-मन्तर पर केन्द्रित एक छायाचित्र प्रदर्शनी देखी थी। इसमें उन्होने जंतर मंतर की सीढ़ियों, समय यंत्रों के चित्रीय तत्वों को खगोलीय घटना की अनुभूति में जीते हुए शिल्प स्थापत्य के अनंत विस्तार का अदभुत छाया चित्र रूपान्तरण किया है। मुझे लगता है, छायांकन में देखना ही महत्वपूर्ण नहीं है, उसे देखे को अपने तईं विकसित करते और फिर ऐसे को अंतर्मन अनुभूति में कैमरे के जरिए रूपांतरित करने की कला अधिक महत्वपूर्ण है।

राजा रवि वर्मा प्रात: 4 बजे उठकर चित्र बनाते थे। कहते हैं, राजा रवि वर्मा ने प्रकृति के इसी उजास और अंधकार के रंगों की अनुभूतियों को अपनी कलाकृतियों में बरतें रंगों में रूपान्तरित किया है। गौर करें, उनकी कलाकृतियों में रंग संयोजन ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। नर्मदा के अनथक यात्री अमृत लाल वेगड़ ने नर्मदा के किनारे बसे गांवों के बेहद मोहक शब्द चित्र ही अपनी यात्रा संस्मरणें में नहीं उकेरे हैं बल्कि अपने रेखांकन में भी नर्मदा यात्रा को गहरे से जिया है। छायांकन कला के बारे में जब भी विचारता हूं, 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' पुस्तक में लिखी यात्रा अनुभूति की उनकी यह पंक्तियां जहन में कौंधती है। वह लिखते हैं, '...सारा दिन मंडला की उस पहाड़ी पर रहा। वह पेपरवेट जैसी लग रही थी। आस-पास के खेत कहीं उड़ नहीं जाए, इसलिए उन पर रखा पेपरवेट।' जिस तरह से वेगड़जी यहां आंख से देखे दृश्यों को अपने मन की आंख से अनुभूतियों में रूपान्तरित कर रहे हैं, ठीक वैसे ही छायाकार भी कई बार दृश्य में ऐसे ही संवेदनाओं को घोल कर यथार्थ को देखे से इतर नवीन ढंग से रूपायित करता हमारे समक्ष रखते है। इसीलिए कहें, छायाकार जो देखता है वह कोई और नहीं देखता है।

भारतीय फिल्मों के भीष्म पिता कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के कैमरे से सिरजी दुनिया के प्रति इतना अधिक जुनूनी थे कि उन्हें इसके लिए अपनी एक आंख तक गंवानी पड़ी थी। 'द ग्रोथ ऑफ द प्लांट' के अंतर्गत मटर बोने और उसके बाद उसके क्षण-क्षण में बढ़ते समय को उन्होंने छायांकन में अद्भुत ढंग से जिया है। फिल्मों में अभी जो 'स्पेशल इफेक्ट' हम देखते हैं, उसके जनक यही दादा साहब फाल्के ही रहे हैं। सत्यजित राय के साथ भी यही था, उन्होंने साधारण विषयों, दृश्यों के भी सूक्ष्म ब्योरों के इतने कलात्मक रूप चलचित्र में सिरजे हैं कि अचरज होता है, कैसे यह संभव हुआ होगा। काशी में कभी उन्होंने 'अपराजित' फिल्म की शूटिंग की थी। 'माई इयर्स विद अपू' में वह लिखते हैं, 'बंगाली टोला मे जाकर वहां के मकानों को ध्यान से देखा।

छायांकन कला का बड़ा सच यही है। इस कला में दृश्य से अधिक उसमें निहित और उभरती छवियों की विरलता अधिक महत्वपूर्ण होती है। आईए, विश्व छायांकन दिवस पर दृश्य छंद की इस कला के ऐसे ही मोहक छंदो में रमें। बहुत कुछ नया, अभूतपूर्व मिलेगा।

डॉ. राजेश कुमार व्यास,
संस्कृतिकर्मी, कवि, कला आलोचक

चिड़ावा के प्रदीप पुजारी ने इन्टरनैशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस में नाम दर्ज कराया

चिड़ावा, (निसं)। रचनाकार प्रदीप पुजारी ने अपनी मौलिक रचना व हिन्दी साहित्य सेवा से सबका दिल जीत कर वर्ल्ड रिकार्ड में नाम शामिल कर एक कीर्तिमान अपने नाम किया है। प्रदीप पुजारी को इन्टरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस की ओर से इस बाबत मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मान दिया गया। फरवरी 2022 में बहुत बड़े द्विभाषीय अन्तरराष्ट्रीय साहित्यिक व सांस्कृतिक समूह ईवा जिन्दगी ने देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर आजादी विशेषांक ई-मैगजिन प्रकाशित कर एक नया और अनोखा विश्व कीर्तिमान बनाया था। इसमें विश्व के 10 देशों के 227 लेखकों व रचनाकारों ने 700 से अधिक मौलिक कविताओं, लेखों आदि के द्वारा अपना योगदान दिया गया। इसमें चिड़ावा के प्रदीप पुजारी ने भी अपनी रचना द्वारा अपना अमूल्य योगदान दिया। इसके अलावा भी वे कई बार दिवस विशेष रचनाकार के रूप में भी प्रतिष्ठा पा चुके हैं। प्रदीप पुजारी की रचनाऐं राजस्थान व उत्तरप्रदेश के समाचार पत्रों में छ्प चुकी हैं तथा विभिन्न ई-मैगजीन में भी इन्हें रचनाओं के लिए दिवस विशेष रचनाकार, राइटर ऑफ द डे व श्रेष्ठ रचनाकार के रूप में चुना जा चुका है। इसके साथ ही इनके द्वारा चिड़ावा के आराध्यदेव श्रीकल्याण प्रभू का चालीसा "श्रीकल्याण-चालीसा" भी तैयार किया जा चुका है।

■ मौलिक रचना व हिन्दी साहित्य सेवा के लिए इन्टरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस में हुआ नाम दर्ज

वर्ल्ड रिकार्ड में सर्टिफिकेट के साथ प्रदीप पुजारी।

होटल कासल झूमर बावड़ी का एक करोड़ 2 लाख रूपये से होगा रख रखाव

सवाई माधोपुर, (निस) । राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल कैसल झूमर बावड़ी सवाई माधोपुर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारम्भ बुधवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा देते हुए 1 हजार करोड़ रूपये बजट का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य न सिर्फ होटल इण्डस्ट्रीज को आर्थिक लाभ पहुंचाना है बल्कि होटल इण्डस्ट्री में बूम भी ले करके आना है। उन्होंने कहा कि होटल कैसल झूमर बावड़ी आरटीडीसी के चुनिन्नदा सम्पत्ति में से एक है जिसका 1 करोड़ 2 लाख 58 हजार रूपये की राशि से जीर्णोद्धार कर हेरिटेज रूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि निगम की शाही रेल गाड़ी पैलेस ऑन व्हील को भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। इसके लिए निगम रेल मंत्रालय के साथ सम्पर्क कर चलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि निगम की सभी होटलों में आधारभूत सुविधाओं में सुधार के साथ इनके बेहतर मार्केटिंग एवं पब्लिसिटी भी की जाएगी ताकि निगम की आय में वृद्धि हो सके और निगम तथा इसके कर्मचारियों के सामाजिक विकास को बढ़ ावा मिल सकें।

इस अवसर पर सवाई माधोपुर विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार दानिश अबरार, गंगापुर सिटी विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार रामकेश मीना, खण्डार विधायक अशोक बैरवा, प्रबन्धक निदेशक आरटीडीसी विजय पाल सिंह, जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला, जिला पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार विश्नोई, नगर परिषद सभापति विमल चन्द महावर, सहायक निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे। झूमर बावड़ी में रूफ ट्रीटमेन्ट, मरम्मत, रिपेनटिंग, सभी कमरों की रिपेयरिंग और पेंटिंग, किचन और पेन्ट्री रिनोवेशन, सभी कमरों में नई एलईडी टीवी, सभी कमरों, किचन की रिवाईरिंग, सभी कमरों में ए.सी. एवं उद्यानिकी कार्य आदि किए जाएंगे।

■ राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने जारी की राशि

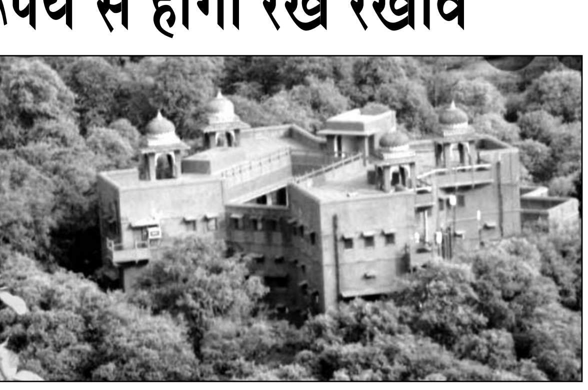

होटल कासल झूमर बावड़ी।

"अस्पर्शयता के विरुद्ध 1849 में शुरू लड़ाई अभी मुकम्मल मुकाम पर नहीं पहुंची

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है किन्तु राजस्थान के जालोर जिले में जातिवादी मानसिकता से ग्रसित एक अध्यापक ने, उसके मटके से पानी पीने पर, तीसरी कक्षा के दलित छात्र, 8 वर्षीय इंद्र कुमार मेघवाल की इतनी बर्बरता से पिटाई की कि 24 दिन के इलाज के बाद भी छात्र के जीवन को नहीं बचाया जा सका। मां सरस्वती के पवित्र प्रांगण में छात्र की पिटाई से मौत होने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। राज्य में शिक्षण संस्थानों में कभी छात्राओं से रेप तो कभी विद्यार्थी के साथ मारपीट होना विद्यार्थियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान है।

सबसे हास्यस्पद बात तो यह है कि इतनी विभत्स घटना पर, जब तक छात्र की मौत नही हुई, तब तक सरकार के शीर्ष, मंत्रियों व कलेक्टर, एस.पी. की व तथाखित लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की नींद तक नहीं टूटी-भर्त्सना का एक शब्द सुन ने को नहीं मिला। अगर पीटने वाला अध्यापक छैल सिंह न होकर छेलुखान होता तो सारे गोदी मीडिया को नई खुराक मिल चुकी होती, प्राइम टाइम में यही मुद्दा कनफोड कर्कश बहस का सबसे बड़ा मुद्दा होता।

अब भी सरकार के हवाले से खबर है-- ऐसी घटनाएं देश भर में होती रहती है। हम निंदा करते है-न्याय सुनिश्चित करेंगे। नेता किसी पार्टी के हो, ऐसी घटनाओं पर यह रटी-रटाई प्रतिक्रिया होती है। जिले के एसपी के हवाले से, तो, एक दैनिक अखबार में खबर छपी है कि अभी मटकी की पुष्टि नहीं हुई- स्कूल टीचर्स, विद्यार्थी कह रहे है ऐसी कोई मटकी नही थी!!!! 24 दिन और यह जांच!! यदि किसी नेतानांगले के बेटे के साथ यह हुआ होता तो क्या जांच ऐसे ही चलती??? वैसे यह खबर अभी निकली नहीं है कि एफआईआर कब दायर की गई।क्या आप को लगता है कि जांच सही ढंग से होगी और दोषी को सजा मिलेगी???

महावीर सिंह

असली धर्म है - ब्रह्म जिज्ञासा, सत्यमेव जयते, अहिंसा परमो धर्मः और वसुधैव कुटुंबकम किन्तु उसके सड़े गले रूप की कोख से पैदा हुई है अस्पर्शयता। सदियों से चली आ रही, इस कुप्रथा के खिलाफ आवाज, 1848 से, मुख्यतः बंगाल से उठी और फिर सारे देश में फैली।1950 में भारत का संविधान लागू होने पर ऐसा लगा की यह लड़ाई अपने सही मुकाम पर पहुंच गई। संविधान की धारा 17 में किसी भी प्रकार की अश्पृश्यता को गैक़ानूनी और प्रतिबंधित कर दिया गया। 1955 में संसद नें कठोर, आपराधिक प्रावधानों वाला अस्पर्शयता निषेध कानून बना दिया। किन्तु शीर्ष पर बैठे लोगों की स्वीकारोक्ति है कि ऐसी घटनाएं देश भर में होती रहती है--क्या एक घटना को दूसरी घटनाओं की आड़ में गम्भीरता से नहीं लिया जाए। सदियों की जाती वादी छुआछूत वाली मानसिकता अभी भी विकराल रूप में जिंदा है।

यह बच्चा, जागृत लोगों से, दलित कौम से व पूरे समाज से तथा निकम्मे हुक्मरानों से पूछ रहा है उसका कसूर क्या था? पानी ही तो पिया था। इतना गहरा है जातीय विद्वेष, मटका उसके छूने से अपवित्र हो गया। हो गया था तो मटका फोड़ देता, उसके पैसे ले लेते, बच्चे को स्कूल से निकाल देते,किन्तु मारा क्यों?

■ आजादी के इस दौर मे भी दलित को पानी की कीमत मौत से चुकानी पड़ेगी???

जिसे भगवान माना वह राक्षस क्यों बना ??? आजादी के इस दौर मे भी दलित को पानी की कीमत मौत से चुकानी पड़ेगी???

सरकारों के पास भारत की सभी समस्याओं का एक समाधान होता है, सख्त कानून बनाएंगे। कानून तो बहुत बने हुए है, लागू करते वक्त तेरा-मेरा सामने आता है, सख्त कानून धरा रह जाता है। यह सब राजनीतिक संरक्षण में ही होता है। सब जानते है, हुक्मरान जानबूझ कर भोलेपन का स्वांग करते हैं, यह कह कर की कानून सब के लिए समान है, कानून अपना काम करेगा।

–महावीर सिंह,
(पूर्व आईएएस)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 18 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र रात्रि 11:35 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:41 तक, विष्टि करण प्रातः 8:53 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:35 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 11:35 से आरम्भ होगा। आज भद्रा प्रातः 8:35 तक रहेगी। आज थदड़ी पर्व और स्मार्त श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:40 तक, चर 10:54 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:44 तक, शुभ 5:21 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:58

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष

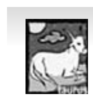

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मिथुन

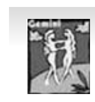

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

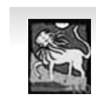

नवीन कार्यों में में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

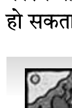

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

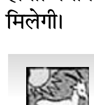

घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 110 प्रभात चूरू, गुरुवार 18 अगस्त, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

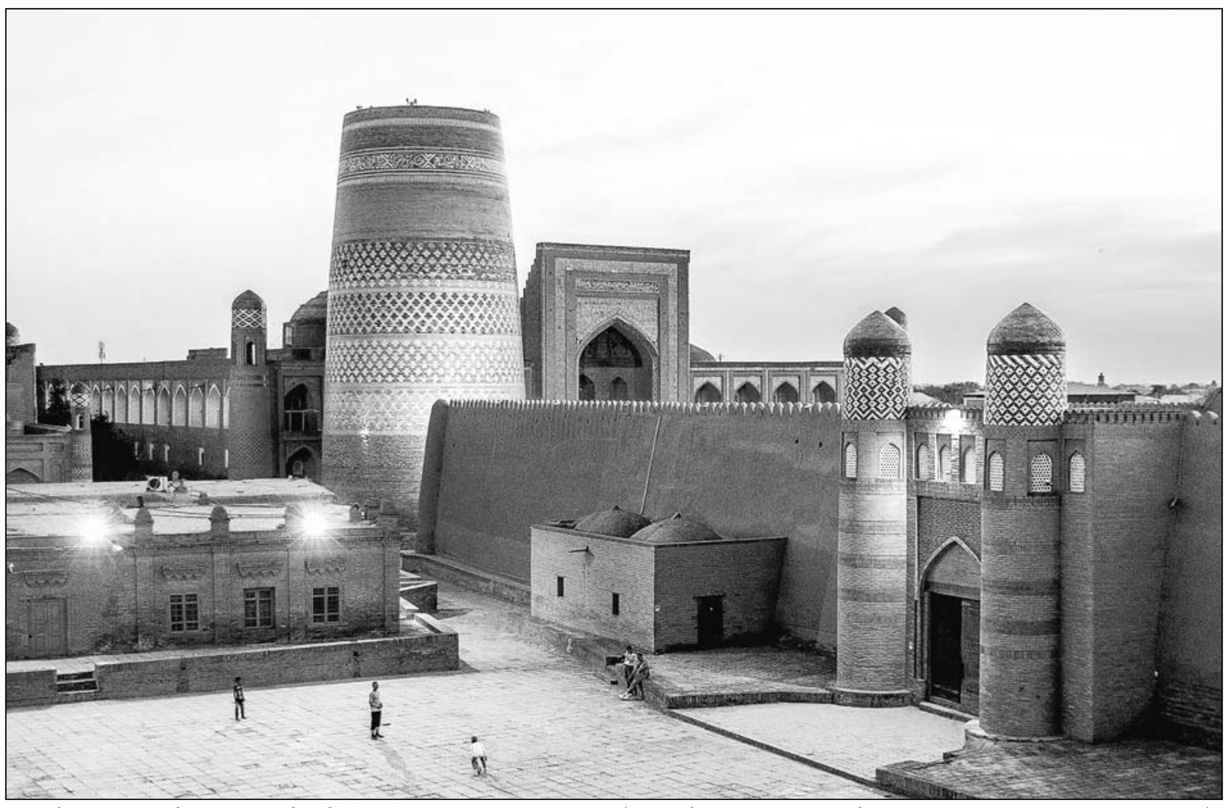

उज़बेकिस्तान का खीवा शहर प्राचीन विश्व के महानतम शहरों में से एक है। स्थानीय दंतकथाओं में खीवा को 2500 साल पुराना बताया जाता है। कहा जाता है कि बाइबल के किरदार ''नोआ'' के एक पुत्र, शैम ने एक कुआं खोदा, जिसका पानी मीठा था। पानी पीने वाले कहते थे ''खे वाख,'' अर्थात् ''क्या आनंद है।'' पुरातात्विक सबूत इसे छठी सदी का बताते हैं। ईसापूर्व दसवीं सदी के हॉरी क्रॉनिकल्स में भी खीवा का उल्लेख है। अरब विद्वान अल इस्ताखरी ने भी खीवा को उस दौर के 30 सबसे बड़े शहरों में से एक बताया था और यह भी कहा था कि खीवा किले की स्थापना नोआ के पुत्र ने रेत पर की थी। खोरेज़्म क्षेत्र में खीवा सबसे लोकप्रिय शहर है। खोरेज़्म में अमू दरिया नाम की नदी बहती है, जो इस क्षेत्र का मुख्य जीवन स्रोत है। यह इस्लाम का एक महत्वपूर्ण शहर है, जिसमें 90 से अधिक मस्जिदें व 60 मदरसे हैं। शहर की एतिहासिक इमारतें इस देश में मिलने वाली अन्य एतिहासिक इमारतों से बहुत अलग हैं। ऊंची कलात्मक मीनारें, भव्य मदरसे और मस्जिदें, बाजार, मध्य कालीन महल और मकबरे, प्राचीन परम्पराएं और सबसे बढ़कर यहाँ की मेहमान नवाज़ी, लोगों को लुभाती है। कैराकुम और केज़ोलकम रेगिस्तानों के बीच में होने के कारण खीवा शहर ग्रेट सिल्क रोड से ईरान व बुखारा जाने वाले काफिलों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रेडिंग पोस्ट व रुकने का स्थान बन गया। एलैक्ज़ैण्डर द ग्रेट, अरब के लोगों, चंगेज़ खान और अमीर तिमूर ने बार-बार इस शहर को तहस-नहस किया। एक समय खीवा सैन्ट्रल एशिया का सबसे बड़ा स्लेव मार्केट था। खीवा शहर का इतिहास बेहद रोचक और बहुआयामी है। यह शहर, जिसे आउटडोर म्यूज़ियम भी कहा जाता है, दो भागों में विभक्त है। बाहरी शहर, डिचान काला, जहाँ अधिकतर खीवा निवासी रहते हैं, तथा ऐतिहासिक भीतरी शहर इचन काला, जो किसी लाइफसाइज़ रेत के किले जैसा दिखता है। यहीं पर खीवा के अधिकतर आकर्षण मौजूद हैं। खीवा में कुतली मुराद इनाक मदरसा और 17 वीं सदी की इमारत, खान अनुष मोहम्मद का स्नानागार देखने लायक हैं। यहाँ की हरेक मस्जिद और मदरसा अपने आप में अनोखा है। यह शहर अपने बाजार के लिए भी विख्यात है, जहां सुंदर कालीन, कशीदाकारी की वस्तुएं, सैरेमिक्स आदि कलाकृतियां खरीदी जा सकती हैं। यह उज़बेकिस्तान का पहला शहर है जिसे युनैस्को ने, 1991 में, युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट का दर्जा दिया।

मोदी-शाह ने भाजपा पर अपनी पूरी पकड़ दर्शायी

नितिन गडकरी व शिवराज सिंह चौहान, दोनों की संसदीय बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव कमेटी की सदस्यता रिन्यु नहीं करवायी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। पार्टी पर अपनी लगातार पकड़ का संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने आज सुनिश्चित कर दिया कि केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्टी के निर्णय लेने वाली शीर्ष कमेटियों- संसदीय बोर्ड तथा केन्द्रीय चुनाव समिति से बाहर कर दिया जाए।

पार्टी के निर्णय लेने वाले इन दोनों शीर्ष मंचों का पुनर्गठन करते हुये, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी इन दोनों में से किसी फोरम में शामिल नहीं किया है, वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा तथा असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानन्द सोनोवाल इनमें शामिल कर लिये गये हैं।

योगी आदित्यनाथ, जिन्होंने भाजपा को दूसरे अप्रत्याशित रूप से दूसरे कार्यकाल के लिये राज्य की सत्ता में पहुँचाया था, को इन दोनों फोरमों से

- **साथ ही यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पार्टी की इन दोनों सर्वोच्च ''डिसिज़न मेकिंग'' समिति का सदस्य नहीं बनवाया। पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फड़नवीस, जो महाराष्ट्र की शिंदे-भाजपा गठबंधन की सरकार के रचयिता हैं, को पार्लियामैंटरी बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव कमेटी का सदस्य बनवाया। इन दोनों सर्वोच्च डिसिज़न मेकिंग बॉडी के अन्य नये सदस्य हैं, असम के सर्बानन्द सोनोवाल, जिन्होंने असम के मु.मंत्री पद का अपना दावा छोड़कर, हेमन्त बिस्वा सरमा, जो कि हाईकमान की पसन्द थे, को असम का मु.मत्री बनवाया।**
- **अन्य नये सदस्य हैं, येदियुरप्पा, के.एल. लक्ष्मण, इक़बाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव व सत्यनारायण जटिया।**

बाहर रखा जाना चौंकाने वाला है क्योंकि ऐसी चर्चाएँ थीं कि उत्तर प्रदेश में पार्टी की लगातार दूसरी बार जीत के लिये पुरस्कृत करते हुये, योगी को निर्णय लेने वाले सर्वोच्च फोरमों में शामिल किया जायेगा।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान योगी आदित्यनाथ की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाये रखना चाहती है। योगी विभिन्न कार्यक्रमों तथा महत्वपूर्ण घटनाओं और आयोजनों के जरिये, स्वयं को प्रधानमंत्री पद के लिये उपयुक्त एवं सामर्थ्यवान नेता के रूप में प्रोजैक्ट करते आ रहे हैं।

पार्टी का पुनर्गठित संसदीय बोर्ड, जिसमें छः नये चेहरे- बी.एस. येदियुरप्पा, सर्बानन्द सोनोवाल के. लक्ष्मण, इक़बाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव तथा सत्यनारायण जाटिया- शामिल किये गये हैं, नरेन्द्र मोदी-अमित शाह के दौर की भाजपा के सर्वोच्च सोपानों में पीढ़ीगत तथा राजनैतिक बदलाव का संकेत देता है।

संसदीय बोर्ड भाजपा का सर्वोच्च फोरम है, जो मुख्यमंत्रियों, प्रांतीय अध्यक्षों तथा अन्य अति महत्वपूर्ण भूमिकाओं या पदों के बारे में निर्णय लेता है।

नितिन गडकरी, जो आर.एस.एस. के चहेते हैं, को इस सर्वोच्च कमेटी से हटाया जाना इस फेरबदल में सबसे ज्यादा स्तब्ध कर देने वाला निर्णय है। गडकरी, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में वरिष्ठ मंत्री हैं, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भी हैं तथा पार्टी परम्परागत रूप से अपने पूर्व अध्यक्षों को पार्टी के निर्णय लेने वाली इस सर्वोच्च कमेटी में रखती रही है। पार्टी के सैद्धांतिक परामर्शदाता आर.एस.एस. के साथ गहरे जुड़ाव के कारण गडकरी अब तक, उनके द्वारा अपनी ही सरकार पर प्रायः किये जाने वाले कटाक्षों के बावजूद, इन कमेटियों में बने हुये थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो इन दिनों मोदी-शाह की इच्छानुरूप बने हुये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में कोई सशक्त नेता नहीं ढूंढ पाना खल रहा है भाजपा को

भाजपा लगभग 17 साल (केवल बीच में दो साल को छोड़कर) तक जे.डी.यू. के साथ बिहार में सरकार का हिस्सा रही है, पर नेता की कमी पूरी नहीं कर पाई

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। बिहार के लिये पुनः तैयार की गई रणनीति के हिस्से के रूप में, भाजपा स्व. रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों परस्पर विरोधी गुटों का विलय कराने की, उन्हें एक करने की कोशिश करेगी। इसके अलावा, पार्टी उन छोटी जाति आधारित पार्टियों तथा ग्रुपों के सम्पर्क में आने, उन तक अपनी पहुंच बनाने की भी कोशिश करेगी, जो अत्यधिक पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे भी संकेत मिले हैं कि भाजपा विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी के साथ भी अपने संबंध सुधारने की पहल शुरू कर दी है।

मंगलवार शाम को पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग, बड़े संगठनात्मक बदलाव करने

- **अब नीतीश के गठबंधन तोड़कर जाने के बाद, पार्टी लम्बी-लम्बी मंथन बैठकें आयोजित कर रही है।**
- **कई नये-नये फार्मूलों पर विचार हो रहा है, जैसे रामविलास पासवान की पार्टी के दोनों धड़ों को एक करा जाये।**
- **विकासशील इंसान पार्टी से पुनः समझौता किया जाये।**
- **पार्टी के दो पुराने उप मुख्यमंत्रियों की जगह युवा, आक्रामक शैली वाले नेता, ढूंढे जायें, जो विधानसभा व विधानपरिषद में पार्टी की ओर से विपक्ष के नेता नियुक्त हों।**
- **पार्टी को राज्य के लिए एक प्रभारी महासचिव की भी तलाश है, क्योंकि भूपेन्द्र यादव के केन्द्रीय मंत्री बनने के बाद यह पद खाली पड़ा है।**
- **पार्टी ने तीन सूत्री समिति भी तैयार की है।**

की जरूरत के विषय में भी चर्चा हुई, जिससे एक ऐसी अति सक्रिय नेतृत्व टीम अस्तित्व में आ सके, जो बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से 35 सीटें जीतने के पार्टी के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़े। पूववर्ती सरकार के अपेक्षाकृत छोटे कद के पूर्व उपमुख्यमंत्रियों ताराकिशोर प्रसाद तथा रेणु देवी की जगह पर, ई.बी.सी. समुदाय के किसी अच्छे वक्ता, जोशीले तथा गतिशील नेता की खोज शुरू हो गई है। भाजपा के पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव लड़ना नहीं शिक्षा पाना मूल अधिकार'

जयपुर, 17 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में आयु सीमा में छूट और अंतिम सेमेस्टर के छात्र को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं देने से जुडे मामले में मौखिक टिप्पणी

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव लड़ने के लिए आयु सीमा में छूट दिए जाने के लिए एक छात्र द्वारा दायर की गई याचिका पर मौखिक टिप्पणी की।**

करते हुए कहा कि छात्रों को शिक्षा पाने का मूल अधिकार है ना की छात्रसंघ चुनाव लड़ने का।

इसके साथ ही अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता छात्र नेताओं को अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए याचिकाओं पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी है। एक्टिंग सीजे एमएम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बलात्कारियों को रिहा करना राज्य सरकार का ही फैसला'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। कांग्रेस ने गुजरात सरकार के इस झूठ को बुधवार को उजागर किया कि उसने बिलकीस बानों गैंग रेप केस के 11 दोषियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिहा किया हैं।

पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यहां एक प्रैस कांफ्रेंस में बताया कि जैसा कि गुजरात सरकार द्वारा दावा किया जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने उनको क्षमा करने का आदेश नहीं दिया था, बल्कि सिर्फ ये निर्देश दिए थे कि केस का निस्तारण तीन माह के भीतर किया जाए।

उन्होंने राज्य सरकार के इस दावे की भी भर्त्सना की कि उन्हें माफी देने का आधार वर्ष 1992 की नीति थी तथा उन्हें वर्ष 2014 के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्षमा नहीं किया गया हैं। गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों को पढ़ते हुए उन्होंने बताया कि ''गृह मंत्रालय के वर्ष 2014 के दिशा-निर्देश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जिन लोगों पर रेप, गैंग रेप तथा मर्डर जैसे घृणित अपराध सिद्ध हो चुके हैं उन्हें सजा से माफी प्रदान नहीं की जा सकती।''

- **कांग्रेस के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश कभी नहीं दिया कि, बिलकीस बानो के बलात्कारियों को रिहा किया जाये।**

खेड़ा ने कहा कि जो नया तथ्य सामने आया है वह और भी अधिक चौंकाने वाला है। राज्य सरकार वर्ष 1992 की जिस कथित नीति का हवाला दे रही है, उसे गुजरात सरकार ने 8 मई 2013 को समाप्त कर दिया था और उस वक्त नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 8 मई के आदेश की एक कॉपी भी वितरीत की।

खेड़ा ने कहा कि एक अन्य तथ्य यह है कि राज्य सरकार को सैन्ट्रल एजेंसी द्वारा इन्वैस्टिगेट किए गए केस में दोषियों को माफी देने से पूर्व केन्द्र सरकार की सहमति लेनी पड़ती है। उन्होंने इसे लेकर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह का जवाब चाहा कि क्या केन्द्र सरकार द्वारा सहमति प्रदान की गई अथवा नहीं। केन्द्र ने यदि सहमति प्रदान नहीं की तो वे गुजरात के मुख्यमंत्री के विरूद्ध क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वह जेल एडवायज़री कमेटी के उन सदस्यों के नाम साझा करे जिन्होंने इन 11 दोषियों को माफी देने की सबसे पहले सिफारिश की थी और क्या मुख्यमंत्री की सरकार ने 8 मई 2013 के आदेश को शीर्ष अदालत के साथ साझा किया, जिसके जरिए वर्ष 1992 की नीति को रद्द कर दिया गया था। खेड़ा ने बिलकीस बानो के उन अपराधियों, जिन्होंने रेप किया, नापाक हरकत की, बच्चों की हत्या की और जिन्हें रेप और हत्या का दोषी पाया गया, के प्रति समाज की चुप्पी पर हैरानी जताई।

रोहिंग्यास को फ्लैट?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। गृह मंत्रालय ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी इस योजना के लिए लताड़ा कि नई दिल्ली के बकरवाला में ई.डब्ल्यू.एस. (इकोनॉमिकलीवीकर सैक्शन्स) फ्लैट्स रोहिंग्याओं को दे दिए जाएं और उन्हें मदनपुर खादर से स्थानान्तरित कर दिया जाए।

- **रोहिंग्या घुसपैठियों को फ्लैट देने की योजना के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की कड़ी निंदा की।**

एक प्रैस नोट में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि, केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इस सम्बंध में कोई निर्देश नहीं दिया है क्योंकि रोहिंग्या अवैध शरणार्थी हैं और उन्हें भारत से जाना होगा। गृह मंत्रालय पहले ही उन्हें वापस भेजने के बारे में विदेश मंत्रालय के जरिए सम्बंधित देश से बात कर चुका है।

विज्ञप्ति कहती है कि रोहिंग्या जैसे अवैध विदेशियों को उनकी वापसी होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। दिल्ली हाईकोर्ट ने इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन (आई.ओ.ए.) के संचालन का कार्यभार संभालने और

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने तीन ओलम्पिक खिलाड़ियों, अभिनव बिन्द्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज और बी. देव साइश्रम को आई.ओ. सी. के संचालन और चार माह में चुनाव करवाने की जिम्मेवारी सौंपी है।**

चार माह के भीतर नवीन चुनाव करवाने के लिए ओलम्पियन अभिनव बिन्द्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज और बोम्बायला देवी साईश्रम को नियुक्त किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुछ ठीक नहीं है भाजपा की कर्नाटक इकाई में

कर्नाटक के प्रभारी महासचिव अरूण सिंह को कर्नाटक भेजा गया, पार्टी में व्याप्त ''कन्फ्यूज़न'' को सुलझाने के लिये

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भाजपा हाई कमान ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य के दिग्गज नेता बी.एस. येदियुरप्पा को बुधवार को पार्टी की शीर्ष निर्णय इकाई-भाजपा संसदीय बोर्ड और केन्द्रीय चयन कमेटी में पदोन्नत किया, लेकिन उसने इसी दिन पार्टी के कर्नाटक प्रभारी अरूण सिंह को राज्य के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पूर्व पार्टी को व्यवस्थित करने के लिए बैंगलोर भेजा।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच बैंग्लोर में अतिव्यस्त राजनीतिक गतिविधियां देखी जा सकती हैं। हांलाकि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने इससे इन्कार किया है, जो पार्टी कार्यकर्ताओं के जीवन की कथित रूप से रक्षा ना कर

- **एक तरफ तो मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई, हिन्दू संगठनों का लक्ष्य बने हुए हैं, और ये संगठन उन पर आरोप लगा रहे हैं कि, वे पार्टी के कार्यकर्ताओं को मुस्लिम साम्प्रदायिक संगठनों के जान लेवा हमलों से बचा नहीं पा रहे।**
- **दूसरी ओर उनकी सरकार के विधि मंत्री मधु स्वामी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें, विधि मंत्री ने साफ कहा कि, मुख्यमंत्री बोम्मई की सरकार नहीं चल रही। मु.मंत्री चुनाव तक केवल टाईम पास कर रहे हैं।**
- **इसी प्रकार, परिवहन मंत्री बी. श्रीरामुलू ने अजीबोगरीब टिप्पणी की कि, वे प्रसन्न होंगे अगर, कांग्रेस पार्टी के नेता पूर्व मु.मंत्री सिद्धारमैया, पुनः मु.मंत्री बनें।**
- **शायद मु.मंत्री व पार्टी का मनोबल व हौंसला बढ़ाने के लिये ही, पूर्व मु.मंत्री येदियुरप्पा को पार्टी की ''सर्वोच्च डिसिज़न मेकिंग'' कमेटी, संसदीय बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव समिति का सदस्य बनाकर, झाड़-पोंछ कर पुर्नस्थापित किया गया है। लिंगायत नेता येदियुरप्पा से उम्मीद की जा रही है कि, वे लिंगायत वोट बैंक को पार्टी के पक्ष में संगठित कर लेंगे।**

पाने को लेकर पिछले कुछ समय से हिंदू संगठनों के निशाने पर रहते आए हैं। उनके और भाजपा के लिए और भी अधिक परेशानी की बात यह है कि राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं जिन्होंने विपक्ष को पार्टी पर प्रहार करने का साधन दे दिया हैं।

कर्नाटक के विधि मंत्री जे.सी. मधुस्वामी ने एक लीक्ड़ वीडियों में टिप्पणी की कि राज्य में सरकार नहीं चलायी जा रही है, बल्कि इसका अगले चुनावों तक प्रबन्धन भर किया जा रहा हैं। इस टिप्पणी ने पार्टी और मुख्यमंत्री को शर्मिंदा कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने जब इस टिप्पणी के लिए मंत्री को फटकार लगायी, तब मंत्री ने घोषणा की कि वह अपनी टिप्पणी के लिए इस्तीफा देने को तैयार हैं।

और इतना ही नहीं।

परिवहन मंत्री एवं भाजपा के दबंग नेता बी. श्रीरामुलू ने कहा कि यदि पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता एस. सिद्धारमैया फिर से मुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें खुशी होगी-1 एक व्यक्ति जो पिछले विधानसभा चुनवों में सिद्धारमैया से हार गया था, यदि अपने विरोधी की प्रशंसा करने लगे तो भृकुटियां तो तनती हैं। उन्होंने सिद्धारमैया को अपना अच्छा मित्र बताया।

इसके अलावा कुछ विधायक पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री के प्रति असंतोष व्यक्त करते आए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि भाजपा से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शायद इन्हीं परिस्थितियों पर पार पाने के लिए भाजपा के राज्य प्रभारी अरूण को बैंगलोर भेजा गया है। पार्टी की राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा बैराज से पानी छोड़े जाने से धौलपुर में दिख सकता चम्बल नदी का रौद्र रूप

जिला कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश

धौलपुर, (निसं)। कोटा बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण चम्बल नदी में लगातार जल स्तर बढ़ रहा है। जिसके चलते गुरुवार को धौलपुर जिले में चंबल नदी रौद्र रूप

- **चम्बल का जल स्तर आज 135 से 136 मीटर तक पहुंचने की संभावना**
- **धौलपुर में चंबल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है**

धौलपुर में गुरुवार को चम्बल के खतरे के निशान से ऊपर बहने की संभावना बनी हुई है।

पर पहुंच सकती है।

बुधवार शाम को 7 बजे चंबल नदी का जलस्तर 133.10 मीटर दर्ज किया गया। वहीं चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला कलक्टर अनिल कुमार अग्रवाल ने अधिकारियों को आवश्यक राहत व बचाव सम्बंधी तैयारियों के साथ मुस्तैद रहने के निर्देश दिए है। जिला कलेक्टर ने बताया कि अधिशाषी अभियन्ता निचली यमुना मण्डल केन्द्र जल आयोग आगरा द्वारा अवगत कराया गया है कि चम्बल नदी का जल स्तर 18 अगस्त गुरुवार को 135 से 136 मीटर तक पहुँचने की संभावना है, जबकि धौलपुर में चंबल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि राज्य स्तर से प्राप्त सूचना के अनुसार कोटा बैराज से 17 अगस्त को सुबह 13 गेट खोलकर 1 लाख 70 हजार 174 क्यूसेक पानी, राना प्रताप सागर बांध चित्तौढ़ गढ से 6 गेट खोलकर 1 लाख 76 हजार 682 क्यूसेक पानी, कालीसिंध बांध से 5 गेट खोलकर 69 हजार 187 क्यूसेक पानी एवं गांधी सागर बांध से 5 गेट खोलकर 1 लाख 62 हजार 780 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इस पानी की निकासी से चम्बल नदी में जल स्तर बढ़ ने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ सम्बंधी किसी भी घटना की सूचना तत्काल जिला बाढ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 05642 220033 पर दें।

हाईकोर्ट ने 20 सितंबर तक मांगे दस्तावेज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधिपति संदीप मेहता व न्यायाधिपति कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए जलदाय विभाग के एक्सईएन लेवल के अधिकारी को मौके पर खड़े रहकर टैंकर से पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पानी वितरण के फोटोग्राफ्स और आवश्यक दस्तावेज 20 सितंबर तक पेश करने को कहा है।

अधिवक्ता एवं याचिकाकर्ता अशोक चौधरी की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई में बताया गया कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद जसवंत नगर, हनुमान नगर, गीताधाम व तनावड़ा में गत 30 दिन से पानी के टैंकर से सप्लाई नहीं की जा रही है। गीताधाम में तो एक बार भी पर्याप्त जलापूर्ति नहीं की गई है। जलदाय विभाग की ओर से बताया गया कि पाइपलाइन जोडऩे की प्रक्रिया चल रही है। रेलवे लाइन के नीचे से पाइप डालने की प्रक्रिया अटकी हुई है।

हाईकोर्ट ने रेलवे की ओर से पेश हुए एएसजी मुकेश राजपुरोहित को निर्देश दिए कि रेलवे एक सप्ताह में डिमांड नोटिस जारी करे और अनुमति देवे। वहीं पीएचईडी के एक्सईएन ने भी न्यायालय के आदेश की पालना करते हुए बुधवार से ही इस काम में जुटने की तैयारी कर ली है। जसवंत नगर, हनुमान नगर, गीताधाम व तनावड़ा क्षेत्र में जनता जल मिशन योजना के तहत पाइपलाइन बिछा दी गई है। हालांकि दो माह से पानी की सप्लाई चालू नहीं की गई है। इसमें रोडा रेलवे फाटक है, जिसे क्रॉस कर पाइप लाइन डालनी है। 1 अगस्त को पीएचईडी और रेलवे अफसरों ने रेलवे फाटक की विजिट भी की।

पिंडवाड़ा में 12 घंटे में सवा चार इंच बारिश

पिण्डवाड़ा का कादंबरी बांध मूसलाधार बारिश से ओवरफ्लो हुआ

पिंडवाड़ा, (निसं)। पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र में सोमवार रात से तेज मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। बारिश के बाद तहसील क्षेत्र के कई बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। कई मार्गो का सम्पर्क सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने रास्ता रोका। पिंडवाड़ा शहर उसके आस-पास के गांवों की प्यास बुझाने वाला पेयजल स्त्रोत कादंबरी बांध लगातार तेज मूसलाधार बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गया है। रपट में बहते पानी को देखने के लिए सैकडों की संख्या में लोग रपट पर पहुंचे। तेज बहते पानी की खबर मिलते ही पिंडवाडा के पुलिस थानाधिकारी चंपालाल बारड जाब्ते के साथ लोगों की जान की सुरक्षा के चलते नदी के दोनों तरफ पुलिस जवान लगाकर आवागमन के लिए रास्ता बंद किया।

पिंडवाडा क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में सवा चार इंच सबसे अधिक 108 एमएम बरसात हुई। मंगलवार रात से रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश हो रही है। वहीं शहर के निकटवर्ती सिवेरा के पास स्वरूप सागर बांध ओवर फ्लो हो गया है साथ ही तहसील क्षेत्र के अन्य बांधों और झरनों में पानी की तेज आवक हुई है। मौसम विभाग की भारी बरसात की चेतावनी के चलते जिला कलेक्टर ने आस-पास के लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वह दो दिन के सरकारी सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

रेवदर में दो दिन जमकर बरसे बादल

रेवदर, (निसं)। पिछले दो दिन से रूक-रुक कर रिमझिम जारी बारिश के दौर ने क्षेत्र में पानी ही पानी कर दिया। क्षेत्र भर में कभी रुकी तो कभी हल्की बूंदे तो कभी तेज हवा के साथ तेज बारिश का दौर जारी रहा। क्षेत्र में दो साल बाद जमकर बारिश हुई।

बारिश को लेकर जन-जीवन व पशुधन अस्त-व्यस्त हो गया। वही दूसरी और बारिश के दौर को लेकर प्रशासन भी हर मोड पर अलर्ट है। लगातर जारी बारिश से गलियों व बाजारो में पानी की नदियां चलने लगी। बारिश के चलते बाजार भी बंद रहा। क्षेत्र के करोटी नदी, मारोल नदी, गुलाबगंज नदी, जीरावल नदी, भेरुगढ़ नदी समेत क्षेत्र की करीबन सभी नदियां तेज वेग के साथ में बहने लगी। वही अनादरा से सांगारली जाने वाले मार्ग पर गोगुआ नदी तेज वेग के साथ में बहने के कारण लोगों का आवागमन तक बंद हो गया। एमरजेंसी में अस्पताल आने में भी काफी दिक्कते होती है। डाक ग्राम पंचायत के अधीन डाक गांव के करमदिया कृषि कुए पास बना हुआ एनीकट के तेज बहाव के चलते किसानो के खेतो के पास होकर गुजरती देवागन नदी के बहाव से आस पास के किसानो के करीबन 10 बीघा कृषि भूमि पर पानी के तेज वेग बहाव से कटाव हुआ।

रेवदर उपखण्ड क्षेत्र भर में लगातर दो दिन से हो रही जमकर बारिश के चलते टोकरा बांध, करोडी ध्वज बांध के ओवरफ्लो होकर उसके ऊपर होकर चादर चलने और लगातार बारिश के दौर को लेकर नदियों बहने लगी जिससे तहसील का सबसे बड़ा बांध गोकुल भाई भट्ट सुकली सेलवाड़ा बांध में पानी की आवक शुरू हुई। सिंचाई विभाग जेईएन बाबूलाल सैनी ने बताया की शाम करीबन 7 बजे तक सेलवाड़ा बांध में 1.3० मीटर तक पानी की आवक हुई थी और लगातार पानी की आवक जारी है।

माउंट आबू की पहाड़ियों के झरनो से बहते पानी की टोकरा बांध और उडवारिया बांध में आवक होने से दोनों बांध लबालब होकर छलकने लगे। और दोनों बांधों के छलकने से नदियों में पानी की आवक होने लगी। टोकरा बांध के लबालब होने के बाद में ओवरफ्लो बढ़ने से पानी की आवाज तेज वेग से सेलवाड़ा में आना शुरू हुआ।

रेवदर उपखण्ड मुख्यालय सहित समूचे क्षेत्र भर में दो दिन से जारी अलर्ट के बाद में जमकर हो रही बारिश के चलते प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया। लगातार बांधो का निरीक्षण कर जायज ले रहे हैं।

बहरोड थाने पर फायरिंग मामले में पपला की पेशी

पपला को हरियाणा की जेल से बहरोड़ कोर्ट में लाया गया।

अलवर, (निसं)। हरियाणा के गैंगेस्टर व मोस्टवांटेड विक्रम उर्फ पपला को बुधवार 1 बजे हरियाणा की भोंडसी जेल से गुडगांव पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच बहरोड एडीजे-1 कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर चार्ज फ्रेम होने के बाद आगामी पेशी की तारीख 28 सितंबर 2022 दी गई है। विक्रम उर्फ पपला हरियाणा के महेंद्रगढ के गांव खेरोली का रहने वाला है।

एसओजी के विशिष्ट लोक अभियोजक जितेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बहरोड पुलिस थाने की हवालात से 6 सितंबर 2019 को फरार होने के बाद विक्रम उर्फ पपला को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से 28 जनवरी 2021 को महिला मित्र जियाचांद सिकलीगर के साथ गिरफ्तार किया था। मार्च 2021 में एसओजी ने पपला के खिलाफ चालान पेश किया। जिसके बाद से लगातार कोर्ट से तारीख पर तारीख लगाई जा रही थी। एडीजे-1 कोर्ट से 21वीं तारीख पर पुलिस की कडी सुरक्षा के बीच पेश किया गया।

प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रोफेसर और छात्रा पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के करवड़ स्थित सरदार पटेल पुलिस विश्व विद्यालय में मई महिने में बीए का प्रश्नपत्र आउट हुआ था। इस पर गहन जांच पड़ताल के बाद अब विश्व विद्यालय की कुलसचिव ने कॉलेज के प्रोफेसर और छात्रा को नामजद करते हुए मामला दर्ज कराया गया है। करवड़ पुलिस इस बारे में जांच में जुटी है।

थानाधिकारी कैलाशदान ने बताया कि सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय की कुल सचिव डॉ. प्रोफेसर डिंपल पंवार की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गत 31 मई को पुलिस विश्वविद्यालय में बीए का पेपर आउट हुआ था। इस बारे में जांच पड़ताल की गई। बाद में पता लगा कि इसमें कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. विजय सिंह एवं छात्रा कुंजल डूकिया ने मिली भगत कर पेपर आउट किया। थानाधिकारी ने बताया कि इस बारे में अब दोनों के खिलाफ राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच की रही है। कॉलेज प्रशासन की तरफ से कुछ जानकारी भी पुलिस को प्रदान की गई है।

भीण्डर में छात्राओं ने स्कूल बंद कर लगाया ताला

भीण्डर, (कासं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल के लिए बलिदान हुए बालिका स्कूल को एक प्राथमिक स्कूल भवन में संचालित करने से खफा बालिकाओं व परिजनों ने स्कूल बंद करके फाटक के ताला लगा दिया। इसके बाद सड़क पर उतर करके बच्चियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी मौके पर पहुंच करके बालिकाओं, परिजनों व जनप्रतिनिधियों से बात करके समस्या जानी और मामला शांत किया।

भीण्डर के सूरजपोल पर एक प्राथमिक विद्यालय में पिछले वर्ष से बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय संचालित हो रहा है। जिसमें करीब 300 छात्राएं अध्ययनरत है। विद्यालय में बैठने के लिए केवल 8 कमरे ही हैं और उनमें से भी कई कमरों में पानी गिर रहा है। इसको लेकर पहले भी प्रशासन से मांग करने के बाद भी सुनवाई नहीं होने पर बुधवार को बालिकाओं व परिजनों ने स्कूल के मुख्य दरवाजे को बंद करके ताला लगा दिया और सभी बालिकाएं सड़क पर उतर करके नारेबाजी करने लग गई। सूचना पर भीण्डर पंचायत समिति प्रधान हरिसिंह सोनिगरा सहित जनप्रतिनिधि, पुलिस और नागरिक मौके पर पहुंचे। प्रधान हरिसिंह सोनिगरा ने फोन करके शिक्षा विभाग के सीबीईओ महेन्द्र जैन को घटना से अवगत करवाया । सहायक सीबीईओ भेरूलाल सालवी के मौके पर पहुंचने के बाद भी बालिकाएं नहीं मानी और लगातार हंगामा करती रही। इस पर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी को मौके सूचना दी।

भीण्डर में बालिका स्कूल के बाहर नारेबाजी करती बालिकाएं।

- **प्राथमिक स्कूल भवन में चल रहा है उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय**
- **उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने मौके पर पहुंच बालिकाओं के आन्दोलन को किया खत्म**

उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने शिक्षा विभाग के भेरूलाल सालवी को निर्देश दिये कि भवन में पानी रोकने के लिए सबसे पहले छत की मरम्मत का काम शुरू करें। इसके लिए आज ही विभाग के अभियंता से जांच करवा करके काम शुरू करें। इसके अलावा स्कूल में पढाने के लिए पर्याप्त स्टॉफ की व्यवस्था की जावें। वहीं भवन में कम कमरे होने से दो पारी में विद्यालय संचालन के निर्देश दिये । उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने बालिका स्कूल के लिए वर्तमान भवन छोटा देखकर उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिये कि बालिका स्कूल के लिए नया भवन बनाने का प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा जाए ताकि नगर में जमीन आवंटित करके वहां पर बालिका स्कूल का निर्माण करवाया जाए।

इस दौरान थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह शेखावत, भीण्डर सहायक सीबीईओ भेरूलाल सालवी, भीण्डर पंचायत समिति प्रधान हरिसिंह सोनिगरा, भीण्डर नगर पालिका उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, पूर्व पालिकाध्यक्ष व पार्षद गोवर्द्धनलाल भोई, पार्षद जितेन्द्र कुमार साहु, ओमप्रकाश भोई आदि उपस्थित रहे।

जीप व बोलेरो की टक्कर में तीन जातरूओं की मौत, पांच घायल

सादुलपुर, (निसं)। जिले की राजगढ़ तहसील के जाहरवीर गोगापीर की जन्म स्थिली ददरेवा में भरने वाले ऐतिहासिक लक्खी मेले में दर्शन कर वापस लौट रहे उतरप्रदेश के जातरूओं से भरी जीप व बोलेरो की हुई टक्कर में जीप में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गये। घायलों को कस्बा राजगढ के श्रीनाथ अस्पताल एवं रायका हॉस्पीटल राजगढ़ में भर्ती करवाया गया, जहाँ उपचाराधीन बताये जा रहे हैं।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि प्रकरण में संजू कुमार पु॰ रूपचन्द जाति जाटव निवासी कककेपुर तहसील सरधना जिला मेरख उतरप्रदेश ने उपस्थित थाना हाजिर होकर इस आरोप की रिपोर्ट पेश की कि उसका भाई सोनू कुमार पुत्र रूपचन्द 16 अगस्त को उनके घर से अपने दोनों बच्चों अभि व सेन्सम व अपनी पत्नी प्रेमलता तथा उसके दोनों पुत्र यश व अन्शन को साथ लेकर गोगाजी महाराज के ददरेवा में दर्शन करने के लिए आये हुए थे। जब उसका भाई सोनू ने ददरेवा में महाराज के दर्शन व पूजा करके वापस राजगढ आ रहे थे, तब ददरेवा बस स्टेण्ड से एक कमांडर गाडी में बैठे थे, उस समय गाडी में गोविन्द राम, केसर देवी, चन्द्रवती तथा गोविन्द का पुत्र यशु भी उनकी गाडी में बैठे थे।

आमने-सामने की टक्कर में कमांडर जीप के परखच्चे उड़ गए।

जैसे ही उक्त कमांडर जीप एनएच 52 तारानगर पुलिया के पास सर्विस रोड पर पहुंची तो सामने से आ रही एक बोलेरो गाडी के चालक ने बोलेरो को तेज गति व गफलत से चलाकर गलत दिशा में लाकर कमांडर जीप को टक्कर मार दी, जिससे जीप अनियंत्रित होकर पलटा खा गई तथा जीप में बैठे उसके भाई सोनू कुमार, उसके पुत्र रोमन्स व कमांडर जीप में बैठी चन्द्रवति की मौके पर ही मृत्यू हो गई तथा उसके भाई की पत्नी प्रेमलता व उसके पुत्र अभि, गोविन्दराम, केसरदेवी व यशु को चोट लगने से घायल हो गये तथा घटना के बाद बोलेरो चालक बोलेरो को भगा ले गया, मगर उसके भाई की पत्नी प्रेमलता व गोविन्द ने बोलेरो के नम्बर देख लिये।

करौली दंगे के मुख्य आरोपी ने किया पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

करौली, (नि.स.) । करौली. नव संवत्सर बाइक रैली पर पथराव, उपद्रव, आगजनी मामले में फरार चल रहे चार मुख्य आरोपियों में से एक हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह गुर्जर ने बुधवार को एसपी ऑफिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण चंद यादव के समक्ष उपस्थित होकर सरेंडर किया है।

आरोपी साहब सिंह गुर्जर को मामले की जांच कर रहे एसआईटी प्रमुख एएसपी किशोर बुटोलिया के सुपुर्द कर दिया है। एसआईटी आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी साहब सिंह गुर्जर 2 अप्रेल को निकली नव सम्वत्सर रैली आयोजन कर्ताओं में शामिल है। आरोपी पर तोड़फोड़, आगजनी और डीजे पर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले गाने बजाने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि साहब सिंह गुर्जर के सरेंडर करने के बाद भी मुख्य आरोपी मतलूब अहमद, राजाराम गुर्जर सहित अन्य अभी फरार चल रहे हैं। मामले में

करौली दंगा के आरोपी साहब सिंह गुर्जर (बीच में) को हिरासत में लेकर जाते एसआईटी प्रभारी किशोर बूटोलिया।

एक एफआईआर पुलिस की ओर से दर्ज कराई गई थी। जिसमें करीब अब तक डेढ्ढ सौ लोगों को आरोपी बनाया है और करीब 40 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि आम लोगों की ओर से 44 अन्य एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोपी के सरेंडर करने से अब पुलिस पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का दबाव बढ़ेगा। साहब सिंह गुर्जर के एसपी ऑफिस पहुंचने की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मी अलर्ट हो गए और उसे एएसपी के समक्ष लेकर पहुंचे।

पूर्व डिप्टी सीएम पायलट के कार्यक्रम को असफल करने को गहलोत के मंत्रियों ने लगाया जोर ?

गहलोत सरकार के चार मंत्री आनन-फानन जालोर दौरा कर मंगलवार सुबह सुराणा पहुंचे

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सुराणा ग्राम में पिछले दिनों एक दलित छात्र की अध्यापक की थप्पड़ से मौत होने पर शोक जताने आए पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के कार्यक्रम के असफल करने के गहलोत सरकार के चार मंत्री आनन-फानन जालोर दौरा कर मंगलवार सुबह सुराणा पहुंचे तथा पायलट के दौरे को असफल करने का प्रयास किया। मंगलवार शाम को जालोर शहर के सर्किट हाऊस में पत्रकार वार्ता का भी आयोजन किया, लेकिन मंगलवार शाम को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के दौरे ने प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा सहित मंत्रियों के दौरे पर पानी फेर दिया।

पायलट ने पीड़ित परिवार की आपबीति को आत्मीय भाव से सुना तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। पायलट के काफिले में 70-80 वाहनों की कतार देखी गई। जिले के दो बड़े कांग्रेसी पदाधिकारी के अलावा गहलोत गुट के कार्यकर्ता साथ नहीं देखे गये। जालोर जिले में गहलोत गुट व पायलट गुट को लेकर चर्चा का बाजार एक बार फिर गर्म हो उठा।

जालोर जिले के सुराणा ग्राम में एक निजी विधालय में अध्यापक की थप्पड़ से एक दलित छात्र की मौत हो जाने से देश सहित प्रदेश के कई मंत्रियों के आने जाने के सिलसिला जारी है।

प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सोमवार को जालोर जिले के सुराणा ठााम में कार्यक्रम तय होने पर सरकार ने पूर्व मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, आपदा प्रबंधन एवं सहायता, प्रशासनिक सुधार और समन्वय, सांख्यिकी एवं नीति निर्धारण प्रकोष्ठ मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पवन गोदारा, वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन अकादमी के अध्यक्ष रामसिंह राव सहित कई विधायकों ने मंगलवार

सुबह करीब 11.00 बजे सुराणा पहुंचकर मृतक दलित छात्र के घर पहुंचकर श्रद्धाजंलि देकर आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा करने का आश्वासन दिया। मृतक के छात्र के परिजन उनके आश्वासन से संतुष्ट नही हो पाये तथा पायलट के जालोर पहुंचने से एक घंटे पहले शाम को पांच बजे सर्किट हाऊस में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया।

मंगलवार शाम को आये डिप्टी सीएम पायलट को पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाते हुए अपनी व्यथा बताई। पीड़ित परिवार ने पायलट के समक्ष बताया कि पुलिस व प्रशासन के रवैया से नाराजगी जाहिर कर प्रशासन द्वारा बच्चे का अंतिम संस्कार रात्रि में करने का दबाव बनाया तथा छात्र के अंतिम संस्कार में भाग लेने आये मेहमानों व ग्रामीणों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। मंत्रियों के आश्वासन पर संतुष्ट नही होने की बात बताई।

जालोर दौरे के दौरान पायलट का दिखा शक्ति प्रदर्शन जालोर जिले के सुराणा में मृतक दलित छात्र की मौत के मामले में श्रद्धाजंलि देने आये पुर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के काफिले में करीब 70-80 वाहनों की लम्बी कतार देखी गई। जोधपुर से जालोर पहुंचे पायलट का जगह -जगह गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ। एक दिन में प्रदेश के कई मंत्री व पर्व डिप्टी सीएम के अलग अलग आने से गुटबाजी की बात जमकर सामने आई तथा लोगों में चर्चा का विषय बना रहा। पायलट के दौरे के दौरान पूर्व सरकारी उप सचेतक रतन देवासी, डॉ समरजीतसिंह , जितेद्र कसाना, मंजू मेघवाल सहित आदि उपस्थित थे।

मृतक छात्र के घर श्रद्धांजलि देने आये डोटासरा के बोतल से पानी पीने का फोटो हो रहा है वायरल

जालोर जिले के सुराणा में मृतक छात्र की मौत होने पर श्रद्वांजलि देने आये मंत्रियों समूह में प्रदेशाध्यक्ष गोविदसिंह डोटासरा के पास पड़ी पानी की बोतल से पानी पीने से फोटो तेजी से वायरल हो रहा है। लोगों ने बताया कि संवेदना व्यक्त करने आये मंत्री भी मृतक छात्र के घर का पानी नहीं पीकर पानी की बोतल साथ लेकर आये है। आज भी दलित के घर पानी पीना पंसद नहीं कर रहे हैं। फोटो को लेकर पूरे दिन व्हाटसअप, फेसबुक सहित सोशियल मीडिया में फोटो वायरल हो रहा है।

रिश्वत लेते वरिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

राजसमन्द, (निसं)। एसीबी राजसमंद की टीम ने बुधवार को बडी कार्यवाही करते हुए भीम तहसील के राजकीय स्कूल ठीकरवास कलां के वरिष्ठ सहायक को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ सहायक भुपेन्द्रपाल सिंह ने यह राशि सेवानिवृत शिक्षक बाबूलाल के पेंशन प्रकरण को ऑनलाइन करने की एवज में मांगी थी। शिक्षक इसी विद्यालय से सेवानिवृत हुआ था। ब्यूरो के महानिदेशक भगवानलाल के अनुसार एसीबी राजसमन्द को परिवादी शिक्षक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पेंशन प्रकरण को ऑनलाइन करने के लिए वरिष्ठ सहायक 12 हजार रुपए की डिमांड कर रहा है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उदयपुर (राजस्थान)

(पताः-मकान न.16 ब्लॉक सी हिरणमगरी सवीना सेक्टर-9 क्रिस्टल प्लाजा के पास उदयपुर

(email-eemhudaipur@gmail.com,ee-mh-udaipur.gov.in)

क्रमांक : चि.एवं.स्वा./उदयपुर/2022-23/835 दिनांक :- 03.08.22

ई निविदा सूचना संख्या: 06/2022-23

(NIB Code: NRH2223A0138)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के उदयपुर एवं सिरोही जिले में निर्माण कार्य मय पांच साल की दोष निवारण अवधि (जहां लागू हो) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के एए.,ए.,बी,सी एवं डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें दिनांक 25.08.2022 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बधित विवरण https://.eproc.rajasthan.gov.in व www.SPPP.rajasthan.go.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.
NRH2223WSOB00619, NRH2223WSOB00621, NRH2223WSOB00623, NRH2223WSOB00624, NRH2223WSOB00625, NRH2223WSOB00626, NRH2223WSOB00627, NRH2223WSOB00628, NRH2223WSOB00629, NRH2223WSOB00630, NRH2223WSOB00631, NRH2223WSOB00632, NRH2223WSOB00633

(बाबु लाल माली)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उदयपुर

गैनाणी से गंदे पानी की निकासी के लिए नई पाइप लाइन डालने का कार्य शुरू

नई पाइपलाइन का कार्य शुरू करवाते विधायक मनोज मेघवाल (बीच में)।

- 75 लाख रुपये की लागत से करीब एक किलोमीटर से अधिक लम्बी पाइप लाइन डाली जाएगी
- 45 साल पहले डाली गई लाइन में लीकेज से शहर में होने लगा था जलभराव

सुजानगढ़, (निसं)। गैनाणी से गंदे पानी की निकासी के लिए 45 साल पहले डाली गई पाइप लाईन में लीकेज के बाद से शहर में पैदा हुई जलभराव की समस्या से नगरवासियों को अब शीघ्र ही निजात मिल जायेगी।

नगरपरिषद प्रशासन ने गैनाणी से गंदे पानी की निकासी के लिए नई पाइप लाइन डालने का काम शुरू कर दिया है। विधायक मनोज मेघवाल, सभापति नीलोफर गौरी ने नई पाईप लाईन डालने का कार्य शुरू करवाया। आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि 75 लाख रूपये की लागत से करीब एक किलोमीटर से अधिक लम्बी पाइप लाईन डाल कर गैनाणी से गंदे पानी की निकासी की जायेगी। आयुक्त ने बताया कि एक-एक फीट की गोलाई वाले पाईपों की डबल लाईन डाल कर 60 एचपी की दो मोटरों से पानी की निकासी करवाई जायेगी। उपसभापति अमित मारोठिया ने बताया कि एक सप्ताह में पाईप लाईन डालने का कार्य पूरा होने के बाद गंदे पानी की निकासी होने से शहरवासियों की जलभराव की समस्या का समाधान भी हो जायेगा।

इस अवसर पर पार्षद इदरीश गौरी, इकबाल खान, एड. सलीम खान गाजी, दीनदयाल पारीक, विजय बटेसर, हितेश जाखड, सोनिका पीपलवा, पन्नालाल सोनी, श्रवण कुमार जाखड, बजरंग सैन, सुरेश सोनी, सौरभ पीपलवा, इरफान खान, सहायक अभियन्ता दलीपसिंह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। ज्ञात रहे कि गैनाणी से 45 साल पहले डाली गई पाइप लाईन में लीकेज आने से उसके ऊपर बने मकानों के कारण लीकेज नहीं निकाले जा सके तथा पम्प से पानी की निकासी बंद करने से गांधी चौक, लाडनूं बस स्टैण्ड, नया बास में पाण्ड्या रोड, मोहन जैन हॉस्पीटल के पास गंदे पानी के भराव की समस्या उत्पन्न हो गई। जिसके समाधान के लिए नगरपरिषद प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर लाडनूं बस स्टैण्ड, गांधी चौक आदि स्थानों पर पम्प सेट लगा कर एवं सीवरेज लाईन के माध्यम से गंदे पानी की निकासी की गई थी। अब नई डबल लाइन का कार्य पूर्ण होने से नगरवासियों को गंदे पानी के भराव की समस्या से निजात मिलेगी।

गौ सेवकों को सम्मानित किया

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान महिला विकास और सुरक्षा संस्थान मंड्रेला एनजीओ की अध्यक्षा तारा बाई की अध्यक्षता में भगवान दत्तात्रेय धाम में गौसेवा में समर्पित सेवा करने वाले गौसेवकों को सम्मानित किया गया। सचिव रणजीत सिंह राणा ने एनजीओ के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि महावीर सिंह शेखावत ने सभी को धन्यवाद दिया। एनजीओ के अजीत सिंह शेखावत इस्माइलपुर, सुनीता देवी, सुबेंद्र सिंह ने सहयोग किया। एनजीओ की तरफ से दत्तात्रेय धाम में एक झूला और एक बेड गद्दा और तकिया सहित भेंट किया। इस अवसर पर गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति और मानवाधिकार आयोग द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण कार्य किया गया। मंत्री इन्दु कुमार गोस्वामी ने संबोधित करते हुए बेटी बचाओ बेटी-पढाओ, बेटियों को शसक्त बनाओ, पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास करने और स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ, जैविक कृषि और खाद्य सुरक्षा, गौ माता की रक्षा हेतु प्रयास करने का आव्हान किया। कार्यक्रम को डॉ. रामावतार सोनी, डॉ. रामकुमार घोटड, पुजारी हीरा लाल भार्गव, रणजीत सिंह भाटी, कुणाल गोस्वामी, संतोष गोस्वामी, जाफर, महंत जगदीश पुरी आदि ने संबोधित किया।

सार-समाचार

पूर्व पीएम वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई

चूरू, (कासं)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार शाम पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की चौथी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि वाजपेयी के समय देश परमाणु शक्ति संपन्न बना। मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत व दीनदयाल सैनी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, राजेश माटोलिया, सुनील टकणेत, सुरेश मिश्रा, राजीव शर्मा, राम स्वरूप कटारिया, पार्षद राकेश दाधीच, सीपी खत्री, अजय तंवर, मनोज तंवर, रवि दाधीच आदि उपस्थित थे।

सैनिक समस्या समाधान शिविर आज

चूरू, (कासं)। सैनिक विश्राम गृह परिसर राजगढ 18 अगस्त को सवेरे 10 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी परवेज अहमद ने बताया कि शिविर में पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों की समस्या समाधान किया जाएगा। उन्होंने पूर्व सैनिकों, विधवाओं, शहीद वीरांगनाओं तथा उनके आश्रितों से निवेदन किया है कि वे इस शिविर में अपनी समस्या से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित हों तथा शिविर में अपनी समस्यों का समाधान करायें।

जागरुकता पोस्टर का विमोचन

चूरू, (कासं)। जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिले के प्रत्येक ब्लॉक और टीबी यूनिट में चयनित पांच ग्राम पंचायतों में टीबी से मुक्ति के लिए विशेष जागरुकता, आईईसी गतिविधियां सर्वे आदि कार्य सम्पन्न करवाए जाएंगे। इसी सिलसिले में मंगलवार को जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने जागरुकता के लिए बनाए गए एक पोस्टर का विमोचन किया। जिला कलेक्टर सिद्वार्थ सिहाग ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लक्ष्य हेतु प्रत्येक टीबी यूनिट पर चिन्हित ग्राम पंचायत या वार्ड में स्थानीय स्तर पर 10 से 12 सदस्यों की टीम का गठन सरपंच अथवा वार्ड पार्षद की अध्यक्षता में किया जाएगा। इसमें उप सरपंच, पंचायत सचिव, चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ, एएनएम, टीबी चैम्पियन, आशा, आंगनबाडी कार्यकर्ता, सरकारी शिक्षक या हैड मास्टर, स्वयं सहायता समूह सदस्य आदि सदस्य रहेंगे। उन्होंने बताया कि लक्ष्य प्राप्ति हेतु रोडमैप तैयार कर लिया गया है और शीघ्र ही क्रियान्विति शुरू की जाएगी।

अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी

अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कार्यकर्ता।

बीदासर, (निसं)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पंचम् पुण्यतिथि पर सोमवार की संध्या में दड़ीबा स्थित श्रीनाथ जी आश्रम में भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अरूण तिवाड़ी की अध्यक्षता में सभा का आयोजन किया गया।

आयोजन में पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया, जिला कार्यकारिणी सदस्य भंवर सिंह राठौड़ व नगर अध्यक्ष अरूण तिवाड़ी ने स्वर्गीय अटल जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दी। आयोजन में मण्डल महामंत्री राजेश सोनी, अनुसूचित जाति मोर्चा के घासीराम मेघवाल, कोशाध्यक्ष गोपाल छापोला, मांगीलाल छापोला, युवा मोर्चा अध्यक्ष जयप्रकाश दर्जी, बाबूलाल, जिला परिषद प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद स्वामी, कालूराम, भागीरथ, मनोज सोनी, करणी सिंह चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शारीरिक शिक्षक वाकपीठ का समापन

सादुलपुर, (निसं)। रा.उ.मा.वि. राजगढ में चल रही जिला स्तरीय शारीरिक शिक्षक वाकपीठ का समापन सीबीईईओ की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर रिटायर्ड शारीरिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न खेलों के नियमों के बारे में चर्चा की गई एवं प्रस्ताव तैयार किए गए। उच्च माध्यमिक शारीरिक शिक्षकों की वाकपीठ के समारोह में सी.बी.ई.ओ. बबलेश शर्मा ने कहा कि विद्यालय में शारीरिक शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शारीरिक शिक्षक विद्यालय की महत्वपूर्ण कडी होती है। शारीरिक शिक्षकों को विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ मिलकर खेलों के क्षेत्र में शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास की ओर ध्यान देना चाहिए एवं बच्चों को अधिकाधिक खेलों के प्रति अभिप्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह पूनिया ने कहा कि बच्चों को जिला व राज्य स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। ग्रामीण ओलंपिक प्रतियोगिता के बारे में भी विस्तार से शारीरिक शिक्षकों द्वारा चर्चा की गई।

मोहता बालिका विद्यालय में प्रतिभाओं का सम्मान

- बिहारी लाल जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा 10-10 ग्राम चांदी का सिक्का देने की घोषणा की गई

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ में बुधवार को प्रार्थना सभा में हुए संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

मीडिया प्रभारी विमलेश चन्द्र ने बताया कि विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित उपखंड स्तरीय कार्यक्रम में सामूहिक परेड में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उनका सम्मान किया गया। छात्राओं द्वारा यह उपलब्धि व.शा.शि. पूनम के मार्ग निर्देशन में हासिल की गई है। देशभक्ति नृत्य में भाग लेने वाली छात्राओं अनु, सृष्टि, लक्ष्या, वर्षा, हर्षिता, संध्या एवं सलोनी को बिहारी लाल जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा 10-10 ग्राम चाँदी का सिक्का देने की घोषणा की गई है। प्रभारी सुमित्रा चौधरी एवं शकुंतला रानी के निर्देशन में छात्राओं ने देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी।

मोहम्मद तौफीक व्याख्याता को अल्पसंख्यक छात्राओं के नामांकन वृद्धि हेतु ब्लॉक स्तर पर सम्मानित करने पर विद्यालय परिवार द्वारा भी उनका स्वागत किया गया। इसी प्रकार नेशनल मेरिट मीन्स कम स्कॉलरशिप में चयनित होने पर छात्रा सामिया एवं प्रभारी विक्रम सिंह का भी सम्मान किया गया।

कार्यालय नगरपालिका विद्या विहार (पिलानी)

क्रमांकः-न.पा.वि.वि./1838 दिनांक 16.08.2022

आपत्ति विज्ञप्ति

निम्न आवेदनकर्ताओं ने नगरपालिका विद्या विहार क्षेत्र के समस्त वार्डों/कॉलोनी/मौहल्लों में अपनी सम्पति पट्टे/अन्य कार्य के लिए आवेदन किया है। संबंधित आवेदन की विस्तृत जानकारी नगरपालिका विद्या विहार की वैबसाईट एवं स्वायत शासन विभाग की वैबसाईट http://lsg.urban.rajasthan.gov.in तथा https://sahar2021.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अपना दावा/आपत्ति नगरपालिका विद्या विहार कार्यालय में 07 दिवस में प्रस्तु करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका विद्या विहार पिलानी

कार्यालय नगर पालिका, सरदारशहर जिला (चूरू)

Ph. 01564-220681, 220030 Email.- eonpsdr@gmail.com

क्रमांकः-न.पा.स/ 2022-23/1669-71 दिनांकः-17.08.2022

प्रारूप-05

लोक-सूचना

इस कार्यालय में सूची में अंकितानुसार नीचे वर्णित भूमि में के अपने अधिकारों को आवासीय/वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकारी प्राप्त करने के लिए धारा 69-अ के तहत नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

जिले का नाम - चूरू

नगर का नाम - सरदारशहर

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	आवेदन भूमि का स्थान	आवेदित भूमि का क्षेत्रफल वर्गफुट में	प्रयोजन
1.	कैलास/मुन्नालाल	वार्ड नं. 21	1260	69 अ
2.	शार्दुलसिंह/भैरूसिंह	वार्ड 23	1963.80	69 अ
3.	सहीराम/आदुराम	वार्ड नं. 15	2204.40	69 अ
4.	शाहीदा हुसैन/साबुदीन	वार्ड नं. 26	218	69 अ,
5.	गोरीशंकर शर्मा/बजरंगलाल	वार्ड नं. 14	644	69 अ
6.	हुसन बानो/शम्मी उल्लाह	वार्ड नं. 34	2363	69 अ
7.	मदनलाल/रामदेवाराम	वार्ड नं. 36	588	स्टेट
8.	सानवाज बिसायती/मोहम्मद मुस्ताक	वार्ड नं. 41	378	69 अ
9.	ऋषि कुमार/गंगाराम सोनी	रोडवेज बस डिपो के पीछे	2007.75	69 अ
10	जयनारायण/औंकारमल पांडिया	वार्ड नं. 54	2160	69 अ
11	भीखा देवी/जवरीमल	वार्ड नं. 37	666.9	69 अ
12	सरोज कुमारी/रणवीरसिंह	वार्ड नं. 5	1250	69 अ
13	मुस्ताक तेली/हसन तेली	वार्ड नं. 5	2000	69 अ
14	मांगीलाल/बंशीधर	गोशाला बास	2703	69 अ
15	चन्दा देवी/ राजकुमार	वार्ड नं. 13	822.5	69 अ
16	मदनलाल/भागीरथ	वार्ड नं. 50	580	69 अ
17	रफीक/ हाजी मो.	जाकरिया मस्जिद के पास	2064	69 अ
18	रजाक/अलादीन फकीर	वार्ड नं. 4	3500	69 अ
19	अब्दुल रहमान/हाजी भंवरा	इस्लामिया रोड	1050	69 अ
20	मो. रफीक/जबार बिसायती	बिसायती का मोहल्ला	1250	69 अ
21	अब्दुल हकीम/अब्दुल गफ्फार	इस्लामिया रोड	1050	69 अ
22	मोहममद इसाक/वजिरूदीन	रेगर बस्ती	1300	69 अ
23	रमजान व्यापारी/आमिन व्यापारी	रेगर बस्ती वार्ड नं. 51	624	69 अ
24	गीगराज/डूंगरमल रेगर	रेगर बस्ती	494 125	69 अ
25	मनोज कुमार भाट/महावीर भाट	वार्ड नं. 21	1543.75	69 अ
26	महेश कुमार/बाबूलाल दर्जी	वार्ड नं. 20	840	69 अ
27	सुगरा/असलम खां	वार्ड नं. 32	2800.28	69 अ
28	बाबूलाल/लादुराम	वार्ड नं. 36	665	69 अ
29	शकिल/बसीरूदीन	बिसायती का मोहल्ल	1250	69 अ
30	बेगाराम/ कुरडाराम	रेगर बस्ती	697	69 अ
31	कानाराम/भागीरथमल	वार्ड नं. 36	1150	69 अ
32	खेरू निशा/गफूर	वार्ड नं. 55	2619.81	69 अ
33	रवि मिश्र/दिनेश मिश्र	वार्ड नं. 47	1608	69 अ
34	केशराराम/रामूराम सिंह	वार्ड नं. 55	5400	69 अ
35	जगदीश प्रसाद/मंगलदास स्वामी	वार्ड नं. 13	1794.16	69 अ

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69-अ के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में आवेदन द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यप्रण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 (सात) दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपना आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझ जावेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 17.08.2022 को जारी की गयी।

(राजकरण चौधरी)
अध्यक्ष
नगरपालिका, सरदारशहर

(देवीलाल बोचल्या)
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, सरदारशहर

अवैध खनन की रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश

चूरू, (कासं)। जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने कहा है कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही करते हुए जिले में खनन गतिविधियों पर नियंत्रण रखें और यह सुनिश्चित करें कि जिले में अवैध खनन नहीं हो।

जिला कलेक्टर बुधवार को अपने कक्ष में अवैध खनन, निर्गमन, भंडारण की रोकथाम के लिए डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स कमेटी की मासिक बैठक में राजस्व, पुलिसए खनन, यातायात एवं वन विभाग अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने कहा कि यदि पुलिस को ड्रोन उपलब्ध करा दिए जाएं तो इससे अवैध खनन, निर्गमन भंडारण पर आसानी से और बेहतर निगरानी रखी जा सकती है। इस पर जिला कलक्टर ने डीएमएफटी से ड्रोन उपलब्ध कराए जाने के लिए कहा और सदस्य सचिव को निर्देश दिए कि वे विधिवत प्रस्ताव बनाकर गवर्निंग कौन्सिल की बैठक में प्रस्तुत करें। इस दौरान जिला कलेक्टर ने इस संबंध में संवेदनशील स्थानों पर पुलिस अधीक्षक से चर्चा की।

बैठक में सदस्य सचिव खनिज अभियंता सोहन लाल गुरु ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 20 जुलाई को ली गई वीसी के बाद अब तक खान एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त निरीक्षण कर 7 वाहन अवैध रूप से खनिज निर्गमन करते हुए पकड़े हैं। जिनमें से बीदासर में चार, छापर में एक तथा सांडवा थाने में दो वाहन पकड़े गए हैं। इसमें चार वाहनों की पैनल्टी राशि 4 लाख 98 हजार 900 रुपए वसूल की जा चुकी है।

इस्तेहार हर आम व खास
न्यायालय जिला न्यायाधीश, झुंझुनूं पीठासीन अधिकारी देवेन्द्र दीक्षित जिला न्यायाधीश (संवर्ग) झुंझुनूं
सिविल विधिक प्रकरण (उत्तराधिकार)
संख्या :- 34/22

1. संदीप कुमार बोयल पुत्र बजरंगलाल, उम्र 35 वर्ष, जाति मेघवाल निवासी ग्राम पोस्ट कुमावास तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.), 2. अरूण कुमार बोयल पुत्र बजरंगलाल उम्र 29 वर्ष जाति मेघवाल निवासी ग्राम पोस्ट कुमावास, तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.), 3. आशा कुमारी पुत्री बजरंगलाल पत्नी धर्मेन्द्र उम्र 32 वर्ष जाति मेघवाल निवासी ग्राम पोस्ट कुमावास तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.) हाल निवासी ग्राम सांखू, तहसील लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर (राज.)

बनाम
हर आम व खास
आवेदन पत्र अं. धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
प्रेषित- **हर आम व खास वगैरह**

आवेदक- संदीप कुमार वगैरह ने हर खास व आम वगैरह के विरूद्ध बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम में अपनी माता गीता देवी पत्नी बजरंगलाल, निवासीगण ग्राम पोस्ट कुमावास, तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.) की मृत्यु दिनांक 16.10.2020 के पश्चात गीता देवी पत्नी बजरंगलाल की भारतीय जीवन बीमा निगम की एक बीमा पॉलिसी संख्या 192574677 है, जिसमें जमा बीमाधन मय परिलाभ को प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में संस्थित किया है। अतः हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वह इस न्यायालय में तारीख 31.08.2022 को दिन में 10.00 एम. बजे आवेदन पत्र का उत्तर देने के लिए स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो आवेदन पत्र से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो, जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके।

हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे, तो आवेदन पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 03 माह 08 सन 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय के आदेश से
मुसंरिम
जिला एवं सत्र न्यायाधीश, झुंझुनूं

मेलों को लेकर बैठक आयोजित

धार्मिक मेलों के संदर्भ में बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

- मेले आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी

चिड़ावा, (निसं)। क्षेत्र में आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले धार्मिक मेलों के संदर्भ में एसडीएम संदीप चौधरी एक अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में नरहड़ के हाजीब शक्कर पीर दरगाह में जन्माष्टमी मेले, गोगाजी मेले, ओजटू के सत्ता दादा और राणीसती मेले को लेकर चर्चा की। पिलानी सीआई रणजीत सेवदा को पुलिस व्यवस्था और ट्रेफिक व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए। पार्किंग और दरगाह में इंतजामों को लेकर दरगाह सदर खालिद हुसैन व सरपंच से जानकारी ली गई। बैठक में पालिकाध्यक्ष सुमित्रा सैनी ने सभी को मिलकर व्यवस्था बनाने और मेला आयोजन को सफल बनाने का आव्हान किया। वहीं बैठक में अधिकारियों को मेला वार जिम्मेदारियां सौंपी गई।

इस दौरान कार्यवाहक तहसीलदार संजय खेदड़, बीडीओ रण सिंह, ई ओ जुबेर खान, पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह, पार्षद निखिल चौधरी, निरंजनलाल सैनी, लोकेश कटारिया, राजेंद्र कोच, समाजसेवी सुरेंद्र सैनी, ओजटू सरपंच विनोद डांगी सहित अधिकारी, मंदिरों के महंत आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र की बालिकाओं के लिए बड़ी सौगात

बीदासर केजीबीवी भवन के शिलापट्ट का अनावरण करते विधायक मनोज मेघवाल (बाएं)।

- 2 करोड़ की लागत से बने केजीबीवी विद्यालय का विधायक ने उद्घाटन किया

बीदासर, (निसं)। कस्बे के ढढैरू मार्ग पर स्थित अलाई जोहड़ में 2 करोड़ 8 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित राजकीय कस्तुरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय टाईप 4 का उद्घाटन बुधवार को क्षेत्रिय विधायक मनोज मेघवाल के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुये विधायक मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा के क्षेत्र मे कस्बे व आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिये बढ़ी सौगात दी है तथा बालिकाओं ने लिये आवासीय विद्यालय मील का पत्थर साबित होगा। इस आवासीय विद्यालय में बालिकाओं को सारी व्यवस्थाएँ विभाग द्वारा निःशुल्क उपलब्ध होगी। समारोह मे एडीपीसी सांवरमल गहनोलियाँ ने कहा कि पूर्व मंत्री स्व. मास्टर भंवरलाल मेघवाल महान् विभुति दिग्गज नेता व बालिका शिक्षा के मशीहा थे। बीदासर कस्बे मे आवासीय विद्यालय खोलने की उपज थी। अब इस कार्य को पूरा करने में विधायक मनोज मेघवाल ने अमलीजामा पहनाया। गहनोलियाँ ने कहा कि इस आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 से 12 तक की बालिकाएँ प्रवेश ले सकेंगी तथा छात्रावास में प्रवेश हेतु कुल सौ सीट है। इसमें सौ से अधिक संख्या होने पर दस और छात्राओं का प्रवेश दिया जा सकता है। छात्रावास में प्रवेशित छात्राओं को भोजन, स्कूल गणवेश एवं अन्य वस्त्र उपलब्ध करवाये जायेंगे। छात्राओं को जूते, चप्पल, नहाने धोने की सभी सामग्री, स्टेशनरी, प्रत्येक छात्रा को स्टाईपेड के रूप मे 150 रूपये प्रतिमाह दिया जायेगा। स्वास्थ्य से संबंधित सभी दवा डॉक्टर सुविधा व सेनेटरी नेपकीन भी उपलब्ध करवाया जायेगा। छात्राओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण व आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। उक्त सभी सुविधा सरकार द्वारा निःषुल्क होगी। छात्राओं को छात्रावास प्रवेश में एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक को प्राथमिकता दी जायेगी।

छात्र से मारपीट कर हत्या के विरोध में चक्काजाम प्रदर्शन किया

प्रदर्शन व जुलूस के दौरान सत्यवान इन्दासर को रिहा करने की मांग पर सड़क जाम कर बैठे प्रदर्शनकारी।

सादुलपुर, (निसं)। जालौर में नीजि स्कूल प्रधानाध्यापक द्वारा अनुसूचित जाति के छात्र इन्द्रकुमार द्वारा मटकी से पानी पीने के विरोध में बालक की मारपीट कर हत्या के आरोप में बुधवार को अनुसूचित जाति, जनजाति समाज के लोगों नें कस्बा राजगढ के अम्बेडकर सर्किल से जुलूस व प्रदर्शन शुरू कर महाराणा प्रताप चौक, मुख्य बाजार, घंटाघर, कुरेशी मार्केट, नंद प्लाजा होते हुए मिनीसचिवालय के समक्ष पहुँचा। जहां उक्त आदोलन के दौरान भीम आर्मी के सत्यवान इन्दासर को शांतिभंग के आरोप में राजगढ थाना पुलिस द्वारा गिरफतार करने के विरोध में करीबन आधा घंटा के लगभग मिनीसचिवालय में समक्ष चक्का जाम रखा गया।

तत्पश्चात उपखण्ड अधिकारी के समक्ष पेश कर उसे रिहा करने पर जालौर जिले के ग्राम सुराणा के सरस्वती विद्यालय थाना सायल में कक्षा 3 में अध्ययनरत छात्र इन्द्र कुमार पुत्र देवाराम मेघवाल द्वारा स्कूल में रखी मटकी से पानी पीने के कारण प्रधानाध्यापक छैलूसिंह द्वारा उक्त छात्र की मारपीट कर हत्या करने के आरोप के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी राजगढ निखिल पोद्दार को ज्ञापन सौंपा गया। हांलाकि इससे पूर्व अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज के लोगों नें घटना के विरोध में चक्का जाम प्रदर्शन के दौरान सडक मार्ग पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी बीच उपखण्ड अधिकारी निखिल पोद्दार, डीवाईएसपी बृजमोहन असवाल मय पुलिस के प्रदर्शनकारियों के बीच पहुँचे, मगर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सत्यवान इन्दासर को रिहा करने के बाद ही ज्ञापन देने की चेतावनी देने पर एक बार उपखण्ड अधिकारी को बिना ज्ञापन लिये ही वापस लौटना पडा, तत्पश्चात

- **भीम आर्मी के सत्यवान इन्दासर को गिरफतार करने का विरोध किया**

उसे रिहा करने पर ही प्रतिनिधि मण्डल ने उन्हें ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रकरण की निष्पक्ष जाँच करवाकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने, पीडित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने, परिवार को 50 लाख रूपये मुआवजा राशि देने, पीडित परिवार को पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाने व घटना की पुनरावृति ना हो, जिसके लिए पीडित परिवार को सुनिश्चित न्याय प्रदान करने की माँग की गई। प्रदर्शन के दौरान पूर्व प्रधान निर्मला सिंघल, पूर्व सरपंच मुकेश इन्दौरा, राजेन्द्र कालरी, महावीर सिंघल, गोपाल राम सोलडा, आशीष खैरू, सत्यवान इन्दासर, पवन कुमार, इन्द्र मेघवाल, सन्तलाल, सोनू, अमरसिंह मिरासी, सहित सैकडों लोग उपस्थित थे।

सेजान ने टेबल टेनिस में रजत जीता

चूरू, (कासं)। जोधपुर के चैनपुरा इन्डोर स्टेडियम में 13 से 16 अगस्त तक हुई राज्य स्तरीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में खेलो इंडिया सेन्टर चूरू के सेजान खान ने कैडेट बालक वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया है। साई के टेबल टेनिस प्रशिक्षक रमेश पूनिया के बताया कि सेजान ने क्वार्टर फाईनल में जयपुर के हर्षवर्धन सिंह को 3.0 से एवं सेमीफाइनल में जयपुर के ही विहान टांक को 03.0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

सेजान खान ने फाईनल में सवीच्च वरीयता प्राप्त जयपुर के खिलाडी आरव आचार्य से हारकर रजत पदक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस से पहले जून 2022 में इन्दौर में आयोजित राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में सेजान खान एवं जीशान खान ने राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व किया है। जिला टेबल संघ के सचिव पूनिया एवं राजस्थान टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष संजय पूनिया ने इन उभरते हुये खिलाडियों से राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे प्रदर्शन की कामना की है। सेजान के पदक जीतने पर सीताराम चोटिया, राजेश वर्मा, राहुल पीपलवा, मनीष राठौड़ एवं पवन बर्थवाल ने खुशी जाहिर की है।

प्रशासन शहरों के संग अभियान शिविर आयोजित

डीएसपी कार्यालय के पास स्थित रैन बसेरा में वार्ड संख्या 16, 17, 19 और 21 का कैंप का आयोजन किया गया।

बीदासर, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को डीएसपी कार्यालय के पास स्थित रैन बसेरा में वार्ड संख्या 16, 17, 19 और 21 का कैंप का आयोजन किया गया।

शिविर में पालिका अध्यक्ष सीताराम प्रजापत और अधिशाषी अधिकारी के द्वारा 5 पट्टे 69 क और 11 जन्म मृत्यु विवाह पंजीयन जारी किए गए तथा 25 पट्टों को तहसील कार्यालय पंजीयन हेतु भिजवाया गया। इस दौरान अधिशाषी अधिकारी हिमांशु अग्रवाल, कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी अखिलेश पारीक, कनिष्ठ लेखाकार राजेंद्र सिंह पंवार, भूमि शाखा प्रभारी राजेन्द्र कुमार, सहायक कर्मचारी संजू, ऑपरेटर विजेश रैगर आदि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय योगा प्रतियोगिता में 17 प्रतियोगियों ने 33 पदक जीते

सरदारशहर में आयोजित प्रतियोगिता में सुजानगढ़ के पदकवीर।

सुजानगढ़, (निसं)। नेशनल योगासन स्पोर्टस फेडरेशन के तत्वाधान में अमृत महोत्सव के तहत सरदारशहर के जाट विकास द्वारा आयोजित जिला स्तरीय योगा प्रतियोगिता में सुजानगढ के 17 प्रतियोगियों ने गोल्ड, सिल्वर व कांस्य कुल 33 पदक जीत कर शहर का नाम रोशन किया है।

योगाचार्य कुलदीप सैन ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 60 प्रतियोगियों ने भाग लिया था, जिनमें सब जूनियर वर्ग

- **प्रतियोगिता में कुल 60 प्रतियोगियों ने भाग लिया था**

में हर्षिता सैन ने 1 रजत और 2 कांस्य पदक, जूनियर वर्ग मे परमानन्द, अक्षत, ललिता ने रजत व कांस्य और हंसिका ने कांस्य पदक, सीनियर वर्ग में जयदीप सिंह, चित्रा बागडा, लक्की बागडा, रिंकू सैनी, पंकज बागडा, योगेश प्रजापत, लतिका सांखला, जयश्री सैनी, भगवती जांगिड, अनुष्का शर्मा, नारायण सांखला ने स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक हासिल किये। प्रो. डी.सी. सहारण की अध्यक्षता में आयोजित प्रतियोगिता में सांसद राहूल कस्वा मुख्य अतिथि थे। चूरू जिला योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण झाझरिया, सचिव शंकरलाल कटारिया, प्रतियोगिता प्रभारी नरेश सांखला, जजिंग हेड कुलदीप सैन आदि उपस्थित रहे।

राजकुमार चौधरी अध्यक्ष नियुक्त

रतनगढ़, (निसं)। जयपुर से श्री गंगानगर जाते समय टेंट डीलर्स एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चेयरमैन रवि जिंदल बुधवार को अल्प समय के प्रवास पर मेगा हाईवे स्थित अंकित होटल में रुके! जहाँ रतनगढ्व तहसील के टेंट व्यवसाइयों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जिंदल का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया! इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जिंदल ने रतनगढ्व टेंट एसोसिएशन का राजकुमार चौधरी (अग्रवाल) को दर्जनों टेंट व्यवसायियों की उपस्थिति में रतनगढ्व तहसील का नया अध्यक्ष नियुक्त करते हुए चौधरी को दुपट्टा पहनाकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की! रतनगढ्व टेंट व्यवसाइयो ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जिंदल के साथ ही प्रदेशाध्यक्ष रासबिहारी शर्मा, महासचिव पर्वत सिंह भाटी, जयपुर जिला महासचिव मुकेश छिंपा, महेश सैनी का भी दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया! इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जिंदल ने टेंट व्यवसायियों को आगामी 17 व 18 सितंबर 2022 को बीकानेर में आयोजित होने वाले 13वे महा अधिवेशन में सम्मिलित होने का निमंत्रण देते हुए अधिवेशन में पहुंचकर सफल बनाने का आ ान किया साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान एवं कोरोना महामारी की रोकथाम हेतु सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना करने पर बल दिया।

विधायक ने जनसुनवाई कर बिजली, पानी समस्या समाधान के दिए निर्देश

सादुलपुर विधायक पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने विधायक निवास पर जनसुनवाई की।

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने बुधवार को विधायक निवास स्थान पर जन सुनवाई की। जिसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना और विधायक पूनिया ने समस्याओं को सुनने के उपरांत सम्बन्धित अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निपटान करने के निर्देश दिये।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा

- **सम्बन्धित अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निपटान करने के निर्देश दिये**

कि अधिकारी लोगों की समस्याओं का तीव्रता से समाधान करें। जो भी शिकायत उनके संज्ञान में आती है वे उसका निपटान करें। सम्बन्धित शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत का समाधान करवाने के लिए कार्यालयों के बेवजह चक्कर न लगाने पडें, इसका ध्यान रखें। यदि किसी शिकायत का समाधान करने में कोई तकनीकी या अन्य कोई समस्या आ रही है, तो सम्बन्धित प्रार्थी को उससे अवगत करवाना भी सुनिश्चित करें। क्षेत्र में आ रही बिजली, पानी की समस्या के समाधान के निर्देश दिए।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

चूरू, (कासं)। यूथ फॉर स्वराज संगठन चूरू ने एडीएम लोकेश कुमार गौतम को राष्ट्रपति के नाम जालौर हत्याकांड पर ज्ञापन सौंपा।

संगठन के जिला संयोजक राजेश चौधरी ने बताया कि जालौर की घटना प्रदेश में इस प्रकार की कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी प्रदेश में इस प्रकार की घटनाएं हुई है लेकिन सरकार के द्वारा सख्त कदम न उठाने के कारण इस प्रकार की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं। संगठन के चंद्रप्रकाश सारण ने बताया कि हमारी राष्ट्रपति से स्पष्ट मांग है कि आप की सरकार एक देश एक विधान एक ध्वज एक निशान एक करके बात करती है तो आप की सरकार क्यों नहीं एक देश और एक जात की बात करें हम मांग करते हैं की देश में केवल भारतीय ही कास्ट होनी चाहिए ताकि सामाजिक आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो सके। वही संगठन के हंसराज स्वामी ने बताया कि हमने जालौर हत्याकांड में माननीय राष्ट्रपति से उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की है तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। इस अवसर पर संगठन के जिला संयोजक राजेश चौधरी हंसराज स्वामी अजय खासौली, अमित दहिया, चंद्रप्रकाश सारण, अनिल खासोली, सतवीर एवं दीनदयाल भाकर आदि मौजूद रहे।

कम्प्यूटर व अन्य सामान दिया

पाटन, (निसं)। कस्बे के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बुधवार को भामाशाहों द्वारा एक कंप्यूटर सैट व फर्नीचर भेंट किया गया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश टेलर ने बताया कि प्रगति ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक अरविंद तिवाडी ने कार्यालय को एक कंप्यूटर सैट प्रदान किया है। कार्यालय में कार्य का अधिक दबाव होने के कारण कंप्यूटरों की कमी चल रही थी। एक कंप्यूटर सेट बढने से कार्यालय के कामकाज में सरलता आएगी। वहीं राजस्थान पब्लिक स्कूल डाबला के निदेशक मनीष यादव ने कम्प्यूटर टेबल व कम्प्यूटर साफ करने की मशीन प्रदान की। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने भामाशाहों का साफा पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में एसीबीईओ इंद्राज यादव, मोहर सिंह मंगावा, चरणजीत सिंह, राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के फूसाराम यादव, राजेश, यादराम, संतलाल समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ 75वां स्वतंत्रता दिवस सम्पन्न

सादुलपुर, (निसं)। आजादी का अमृत महोत्सव राजगढ क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य समारोह राजकीय सीनियर हायर सैकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में हुआ।

सरकारी स्कूलों के अलावा निजी स्कूलों के भी विद्यार्थियों ने भी भागीदारी निभाई। सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल सुरेन्द्र सिंह पूनियां की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी निखिल कुमार पोद्दार ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ नगर पालिका चेयरमैन रजिया गहलोत भी थी। अतिथियों ने मार्च पास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर 8 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति की बहुरंगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। एस.डी.एम. ने राजगढ की जनता को धन्यवाद दिया कि जनता ने घर-घर तिरंगे की अपील को स्वीकार किया और बडी संख्या में लोगों ने राष्ट्रीय

- **समारोह में अतिथियों ने मार्च पास्ट की सलामी ली**

तिरंगा अपने घरों पर आया। इस अवसर पर विशेष सेवा कार्य व राजकीय कार्य करने वाले नागरिकों व कर्मचारियों, खिलाडियों आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसी श्रृंखला में मतदाता सूची में शत प्रतिशत आधार लिंक करने पर अतिथियों के द्वारा अध्यापक मुकेश कुमार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सादपुरा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर सतीश पूनिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, रजिया गहलोत चैयरमैन नगरपालिका राजगढ ओर सीबीईओ बबलेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

सुजानगढ़, (निसं)। जालोर प्रकरण को लेकर छात्र संघ अध्यक्ष अनुज पारीक के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर राजस्थान में जातिवाद को प्रतिबंधित करने की मांग की है।

ज्ञापन में जतिवाद के नाम पर प्रदेश में हुई हत्याओं को उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री से कठोर निर्णय लेने एवं इन्द्र कुमार के हत्यारे के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने से पहले विद्यार्थियों ने रैली निकाल कर प्रदर्शन किया तथा नारेबाजी की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान रामदेव मेघवाल, ओमप्रकाश बीरडा, आयुष बागरेचा, दिनेश नेहरा, कानाराम, नदीम भुट्टा, रामगोपाल प्रजापत, महेश टोकसिया, अनिल, विकास, प्रहलाद, सुरेन्द्र, नवीन, समीर, आमिर, सुरेश, करण सांखला, सोनू सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

'बावळती' राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाइट 2022 में शामिल

चूरू, (कासं)। राजस्थानी फिल्म बावळती राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाइट में शामिल हो गई है।

फिल्म बावळती के निर्माता निर्देशक राजेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि राजधानी जयपुर में होने वाले दसवें राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाईट 2022 हेतु आवेदन किया था। इस पर बावळती को राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाईट 2022 में शामिल कर लिया गया है। अन्य फिल्मों के साथ बावळती को भी ज्यूरी द्वारा देखा जाएगा।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाईट 2022 में कई फिल्म सितारों की मौजूदगी रहेगी। शेखावत ने बताया कि यह फिल्म 26 अगस्त से सुजानगढ़ के मूनलाइट सिनेमा हॉल में रिलीज होगी। चन्द्र फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म

- **फिल्म बावळती के निर्माता निर्देशक राजेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि यह फिल्म 26 अगस्त से सुजानगढ़ के मूनलाइट सिनेमा हॉल में रिलीज होगी**
- **अन्य फिल्मों के साथ बावळती को भी ज्यूरी द्वारा देखा जाएगा**

प्रमाणन बोर्ड से यू प्रमाण पत्र मिला हुआ है। फिल्म में गीतिका डीगवाल, राज कुमार नायक, चन्द्र कांता चंद्रेश, पवन तोदी, सरोज बरोड़, हरि हरनी, सुशील जोशी, बीरबल नोखवाल, आरती बरोड़, बाबूलाल तुनगरिया, वासुदेव सिहाग, आशुतोष उपाध्याय, मंगल व्यास भारती, मोहम्मद जावेद, बाल कलाकार अनुष्का पूनिया ने अहम भूमिका निभाई है। अभिनेता अफजल हसन गौरी और पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा ने भी अथिति कलाकार के रूप में अभिनय किया है।

फिल्म के गीत दिग्विजय सिंह गोगटिया व राजेन्द्र सिंह ने लिखे हैं। संगीत राजेन्द्र शरणोत और शंकर माहेश्वरी ने दिया है। गीतों को आवाज रघुवीर सिंह राठौड़ रूपलीसर, सोनू माहेश्वरी सुजानगढ़ और राधेश्याम दर्जी घांघू ने दी है। डीओपी और संपादक पंकज सोनी हैं। चन्द्र फिल्मस प्रोडक्शन की यह दूसरी फिल्म है जो राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड नाईट में शामिल हो रही है। इससे पहले वर्ष 2018 में फिल्म आपां नै तो बेटी बचाणी है ने कई पुरस्कार जीते थे।

विभाजन विभीषिका स्मृति पर प्रदर्शनी

चूरू, (कासं)। बैंक ऑफ बडौदा आर सेटी चूरू द्वारा भारत सरकार के निर्देशानुसार संस्थान में विभाजन विभीषिका स्मृति का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभाजन विभीषिका स्मृति संबंधि प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी का शुभारंभ डीओआईटीसी प्रोग्रामर नरेश टुहानिया द्वारा किया गया। इसके साथ ही संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को भविष्य में लक्ष्य बनाकर उस पर मेहनत करने के लिए भी प्रेरित किया व उनका मार्गदर्शन किया। प्रदर्शनी के आरंभ में राष्ट्रीय गीत बजाया गया। इसके पश्चात संस्थान के निर्देशक रामदयाल बिश्नोई ने प्रदर्शनी का उद्देश्य बताया। इस समारोह में बैंक ऑफ बडौदा आरसेटी से सीनीयर ऑफिसर असिस्टेन्ट विक्रम चांवरिय, एफएलसी नवाब खांन, ऑफिस असिस्टेन्ट अनिल शर्मा, रामप्रताप बोयल, डीएसटी जाकिर हुसेन सभी उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय चांदगोठी ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

कृषि विज्ञान केंद्र तथा नवस्थापित कृषि महाविद्यालय चांदगोठी में स्वतंत्रता समारोह मनाया।

सादुलपुर, (निसं)। कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी तथा नवस्थापित कृषि महाविद्यालय चाँदगोठी ने स्वतंत्रता समारोह का पावन पर्व मनाया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. आर.के. शिवरान तथा अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी डॉ. ए.आर. नकवी ने झंडारोहण किया।

डॉ. आर.के. शिवरान ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष पूरे होने और यहां के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से की जाने वाली एक पहल है। यह महोत्सव भारत की जनता को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को उसकी विकास यात्रा में आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि उनके भीतर प्रधानमंत्री मोदी के भारत 2.0 को सक्रिय करने के दृष्टिकोण को संभव बनाने की शक्ति और क्षमता भी है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना से प्रेरित है। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान को प्रगति की ओर ले जाने वाली सभी चीजों का एक मूर्त रूप है। आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा की शुरुआत 12 मार्च 2021 को हो गई जिसकी 75 सप्ताह की उल्टी गिनती हमारी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के लिए शुरू हो गई है तथा यह एक वर्ष के बाद 15 अगस्त 2023 को समाप्त होगी। ब्रिटिश शासन से मुक्त हुए भारत को 75 वर्ष हुए हैं तथा आज 75 वां स्वतंत्रता दिवस है, जो आजादी का अमृत महोत्सव पावन पर्व के रूप में समूचा देश मना रहा।

डॉ. ए.आर. नकवी ने कहा कि आज देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बन गया है। कृषि के क्षेत्र में आज भारत आत्मनिर्भर है जो कृषि के नए अनुसंधान एवं कृषकों की मेहनत तथा सरकार की समय-समय पर

- **इस अवसर पर डॉ. ए.आर. नकवी ने कहा कि किसानों को निरंतर अपने खेत पर जैविक खेती को बढावा देना चाहिए**

आवश्यकता अनुसार नीतियों के कारण संभव हो पाया है। इसके साथ-साथ उन्होंने बताया कि किसानों को निरंतर अपने खेत पर जैविक खेती को बढावा देना चाहिए तथा समय-समय पर मिट्टी की जाँच करवा कर खेतों में उपज को बढाना चाहिए प्राकृतिक खेती अपनाकर ही भूमि की उर्वरता बढेगी तथा भविष्य सुरक्षित रह पाएगा। इस अवसर पर कॉलेज के छात्रों ने विभिन्न राजस्थानी संस्कृति तथा देश भक्ति गानों पर विभिन्न प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

छात्र संघ चुनाव की आचार संहिता लागू

सुजानगढ़, (निसं)। राजकीय ज्ञानीराम हरकचंद सरावगी महाविद्यालय में आचार संहिता लागू होने के साथ ही छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राचार्य सी.एस. डोटासरा ने बताया कि 18 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा तथा 20 अगस्त तक आपतियों का निस्तारण कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

प्राचार्य ने बताया कि 22 अगस्त को 10 बजे से तीन बजे तक नामांकन होगा तथा इसी दिन शाम को तीन बजे से पांच बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी। 23 अगस्त को वैद्य नामांकन पत्रों की सूची प्रकाशित की जायेगी और 23 अगस्त को ही 11 बजे से दो बजे तक नामांकन वापसी हो सकेगी और 2 से पांच बजे तक अंतिम अभ्यर्थी सूची का प्रकाशन किया जायेगा। प्राचार्य सीएस डोटासरा ने बताया कि 26 अगस्त को सुबह 8 बजे से एक बजे तक मतदान होगा। अगले दिन 27 अगस्त को मतगणना की जायेगी और विजयी प्रत्याशियों को शपथ दिलाई जायेगी।

स्कॉलरशिप के लिए दो विद्यार्थियों का चयन

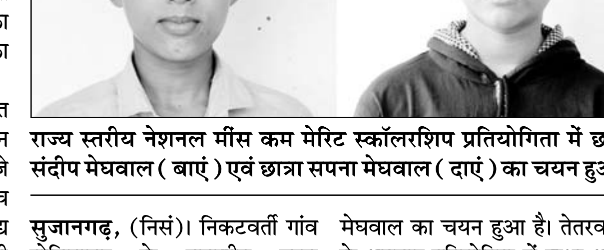

राज्य स्तरीय नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप प्रतियोगिता में छात्र संदीप मेघवाल (बाएं) एवं छात्रा सपना मेघवाल (दाएं) का चयन हुआ।

सुजानगढ़, (निसं)। निकटवर्ती गांव तोलियासर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के दो विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप प्रतियोगिता में चयन हुआ है। प्रधानाचार्य कमलेश कुमार तेतरवाल ने बताया कि राजस्थान राज्य राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र संदीप मेघवाल एवं छात्रा सपना मेघवाल का चयन हुआ है। तेतरवाल के अनुसार प्रतियोगिता में कक्षा आठ में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से चयन किया जाता है जिनको अगले चार साल तक बारह हजार रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से कुल अडतालीस हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों के चयन पर अध्यापकों ने खुशी का इजहार करते हुए दोनों विद्यार्थियों को गुलदस्ते भेंट कर एवं मिठाई खिला कर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

'छह विधायक दे देंगे इस्तीफा'

सुराणा गांव में नेताओं के दौरे के बीच ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की चेतावनी

- साथ में दी धमकी, ''पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा''
- यह भी बोले, ''उस वक्त के और वर्तमान के हमारे अध्यक्ष कहां थे, जब डांगावास कांड हुआ था, डांगावास कांड के समय पानाचंद ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया''

जयपुर, (का.प्र.)। जालोर के सुराणा गांव में टीचर की कथित पिटाई से दलित स्टूडेंट की मौत के बाद राजस्थान में गरमाई हुई सियासत के बीच कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी के साथ कांग्रेस के नेताओं में होड़ मची है कि सबसे ज्यादा दलित हितैषी कौन बने, इसलिए कांग्रेस के नेता नित नए बयान दे रहे हैं। अब इस लिस्ट में नया नाम जुड़ गया है राजेंद्र गुढा का। अपने बयान के जरिए राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भले ही वह कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और मंत्री बन गए हैं, लेकिन जो छह विधायक बसपा से आए हैं, उनका गुट कांग्रेस से अलग है। इसलिए उन्होंने जालौर मामले को लेकर छह विधायकों के इस्तीफे की चेतावनी दे डाली।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने जालौर कांड के साथ ही नागौर के डांगावास कांड की याद ताजा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर भी निशाना साधा है। इसी के साथ गुढ़ा ने जालोर मामले में न्याय नहीं मिलने पर बसपा से कांग्रेस में आए सभी 6 विधायकों के सरकार से समर्थन वापस लेने तक की चेतावनी भी दी है। गुढ़ा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बच्चे को जिस टीचर ने मारा, उसे चाहे फांसी पर लटका दीजिए, लेकिन इस घटना के लिए पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी एक आदमी ने अपराध किया तो समाज कैसे दोषी हो गया?

गुढा ने कहा कि एक व्यक्ति के अपराध में पूरे राजपूत समाज को खलनायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह अच्छी बात नहीं है, जिसने गुनाह किया है, उसे सजा दीजिए। दलित बच्चे की मौत के मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में डे-टू-डे सुनवाई कीजिए। सजा दिलाकर मिसाल पेश कीजिए, लेकिन एक समाज को बेवजह विलेन बनाना सहन नहीं करेंगे। गुढा ने कहा कि मैं हमारे साथी विधायक लाखन मीणा के बयान से 100 फीसदी सहमत हूं। सरकार कार्रवाई नहीं करेगी। दलित बच्चे को न्याय नहीं मिलेगा, तो हमारे सभी 6 विधायक सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। इसके लिए चाहे हमारी विधानसभा की सदस्यता ही क्यों न चली जाए?

जालौर मामले के बहाने ही गुढ़ा ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि पानाचंद मेघवाल बताएं कि डांगावास के वक्त इस्तीफा क्यों नहीं दिया? बीजेपी के नेता डांगावास के वक्त कहां थे। डांगावास के समय किसी भी एक हत्यारे को सजा मिली क्या? किसी को न्याय मिला क्या? सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल दागते हुए गुढा ने कहा कि हमारे उस समय के प्रदेशाध्यक्ष और आज के प्रदेशाध्यक्ष हैं, वे इस मामले में क्यों नहीं बोले? जिस वक्त डांगावास कांड हुआ। उस वक्त दलितों के साथ अस्पताल में मैं था, आज बयान देने वाले नेता वहां कहीं नजर नहीं आ रहे थे। डांगावास कांड में पांच दलितों को बेरहमी से मारा गया था, उनके लिए कोई नहीं बोला। मंत्री गोविंद मेघवाल के बयान को लेकर भी गुढा ने कहा कि आज जो नेता बयानबाजी कर रहे हैं, वे डांगावास कांड के वक्त भी अगर पीड़ित दलितों को न्याय दिलाने की मांग करते तो ज्यादा अच्छा होता। हमारे मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि ठाकुरों ने पीट-पीट कर उनकी पीठ तोड़ दी। किसी अपराधी की कोई जाति नहीं होती। एक समाज को विलेन बनाने की कोशिश न की जाए। डांगावास में इनकी संवेदनाएं कहां चल गई थीं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा गजटेड अफसर मेरे विधानसभा क्षेत्र में हैं। मेरे क्षेत्र में 95 फीसदी व्यक्तिगत रूप से राजेंद्र गुढ़ा के साथ हैं। पार्टी के साथ नहीं। दलितों के अधिकारों के लिए हम जान दें दें। राजस्थान की धरती पर दलित के साथ अत्याचार हो तो राजेंद्र गुढ़ा जान दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि जिस डांगावास मामले की बात गुढा ने कही है, उस दौरान नागौर जिले के डांगावास गांव में जमीन विवाद को लेकर 5 दलितों को पीट-पीटकर मार दिया था। यह घटना 2015 में भाजपा राज के दौरान हुई थी। उस समय जमकर विवाद और राजनीति हुई थी। इसके बाद सीबीआई जांच दी गई थी।

'लम्पी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुपालकों को जागरूक करें'

पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने लम्पी स्किन डिजीज को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को पंत कृषि भवन में बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने प्रदेश के गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज को लेकर कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार,पशुपालन विभाग के शासन सचिव पीसी किशनएवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां पंत कृषि भवन में बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस रोग का बचाव ही उपचार है,ऐसे में जन जागरूकता अभियान के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि पर्यवेक्षकों एवं सुपरवाइजर्स को भी इससे जोड़ने के निर्देश दिए।

पशुपालन मंत्री ने बताया कि गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन रोग की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरूवार को कृषि एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे पशु चिकित्सकों एवंकृषि पर्यवेक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बीमारी की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाएं जाएंगे।

इससे पूर्व मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने आयुर्वेद एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर लम्पी रोग के बचाव एव रोकथाम में कारगर आयुर्वेदिक औषधियों पर चर्चा की। शर्मा ने लम्पी स्किन रोग की समीक्षा करते हुए तत्काल गोट पॉक्स वैक्सीन खरीदने के निर्देश भी दिए।

करोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की मौत हुई राजस्थान में

- बुधवार को भी जयपुर और झालावाड़ में दो संक्रमितों की मृत्यु हुई है
- राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 502 नए संक्रमित मिले, वहीं 687 मरीज ठीक भी हुए हैं।

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी दो और मरीजों की मौत हुई है। इस बीच राज्य में 502 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि साढ़े छह सौ से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में करोना संक्रमण का कहर बढ़ता ही जा रहा है। राज्य में बड़ी संख्या में नए संक्रमित मिलने के साथ ही इससे मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। बुधवार को राज्य में जयपुर और झालावाड़ में करोना से दो लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9598 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। इस दौरान 27 जिलों में 502 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 191 रोगी पाए गए थे। इधर राज्य में आज सबसे ज्यादा 107 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 96, भरतपुर में 72, उदयपुर में 34, भीलवाड़ा व जोधपुर में 28-28, दौसा में 26, चित्तौडगढ़ में 25, प्रतापगढ़ में 20, नागौर में 18, अजमेर व कोटा में 9-9, बूंदी में 5, राजसमंद में 4, पाली व सवाईमाधोपुर में 3-3, टोंक, बांसवाड़ा, जालोर व झालावाड़ में 2-2 तथा बाड़मेर, बीकानेर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और झुंझुनूं में एक-एक नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 687 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3944 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में 190 मरीजों के ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस 1300 रह गए हैं। जयपुर में बुधवार को 32 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 12 नए मरीज मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा झोटवाड़ा में 7, दुर्गापुरा व सांगानेर में 6-6, दूदू में 5, अजमेर रोड, जगतपुरा, जमवारामगढ़ व मालवीय नगर में 4-4, आदर्श नगर, जवाहर नगर, टोंक फाटक व वैशाली नगर में 3-3, बस्सी, ब्रह्मपुरी, चाकसूं, गंगापोल, जौहरी बाजार, लालकोठी व रामगंज में 2-2 तथा बरकत नगर, सी-स्कीम, सिविल लाइन, गोविंद नगर, जयसिंहपुरा खोर, कोटपूतली, निर्माण नगर, प्रताप नगर, राजापार्क, शास्त्री नगर और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

गहलोत की नाक के नीचे आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही : डॉ.सतीश पूनिया

- जयपुर के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने की घटना पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी

जयपुर। जयपुर जिले के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने और प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस शासन में यह पहली घटना नहीं है, इस तरीके की घटनाएं साल में हजारों हो रही हैं और अब तक पूरे प्रदेश में 7 लाख से अधिक मुकदमे, औसतन 18 बलात्कार और 7 हत्याएं प्रतिदिन, यह अपने आप में एक आंकड़ा इस बात को प्रस्तुत करता है, इस बात का साक्ष्य है कि कांग्रेस सरकार के कामकाज की कानून व्यवस्था की यह बानगी है।

पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की नाक के नीचे हुई यह घटना और सुदूर किसी आदिवासी क्षेत्र में होती है, किसी सीमावर्ती क्षेत्र में भी होती है, कभी मेवात के क्षेत्र में होती है, घटनाएं तभी होती है कि जब अपराधी बैखोफ होता है, अपराधी को यह भरोसा होता है कि मैं कुछ भी करूंगा तो मेरा बाल बांका नहीं होगा, मैं सामान्य सी परिस्थिति में धारा में दर्ज होकर मुकदमें से बाहर आ जाऊंगा। राज्य सरकार की शिथिलता, लापरवाही और कानून व्यवस्था के प्रति उसकी संवेदनहीनता, यह ऐसे मामलों को और ज्यादा प्रेरित करती है और यह घटना भी जो जमवारामगढ़ के रायसर गांव में घटित हुई, एक दलित महिला शिक्षिका के साथ में यह समाज के लिए आंख खोलने वाली घटना है, पुलिस यदि तत्पर होती, प्रशासन यदि तत्पर होता, यदि उसकी सुनवाई होती तो यह घटना नहीं होती।

घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है और दुर्भाग्य है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री इस तरीके की घटनाओं के प्रति न तो संवेदनशील हैं और उनको रोकने के लिए पूरे तरीके से नाकाम भी हैं। कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और विधायकों द्वारा विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को लेकर की जा रही मनमानी को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. पूनिया ने कहा कि, यह सरकार ही गैर-जिम्मेदार है, इसलिए सरकार का मंत्री जिम्मेवार होगा इसकी कैसे उम्मीद कर सकते हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद गैर जिम्मेवार हों ऐसे में कांग्रेस सरकार की अब जो पॉलिटिक्स है वो प्रतिशोध की राजनीति है, ईर्ष्या की राजनीति है, तुष्टिकरण की राजनीति है, इसलिए कांग्रेस का कोई मंत्री निरपेक्ष होकर काम करेगा इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती है। दूसरा कांग्रेस के विधायकों को जिस तरीके से राज्य सरकार के मुखिया का संरक्षण मिला है।

वाडा के परिचालन अधिकारी फ्रेडरिक डोंजे का निधन

मॉन्ट्रियल, 17 अगस्त। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) फ्रेडरिक डोंजे का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया है। वाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी हैं। डोंजे 50 वर्ष के थे।

वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा, यह उन सभी के लिए एक अविश्वसनीय रूप से दुखद समय है जो फ्रेडरिक डोंज को जानते थे। मुझे यकीन है कि वैश्विक डोपिंग रोधी समुदाय इस दुखद समय में फ्रेड के परिवार के प्रति हमारी सबसे ईमानदार संवेदना व्यक्त करने में वाडा के साथ शामिल है। उन्होंने कहा, डोंजे एजेंसी के अभिन्न अंग थे। डोपिंग रोधी और सामान्य रूप से खेल के सभी पहलुओं के बारे में उनका ज्ञान, एथलीटों के लिए वास्तविक परिणाम देने वाला उनका जुनून और संचालन, उनके जाने से हमारे संगठन में गैप पैदा हो गया है।

उन्होंने कहा, डोपिंग रोधी में उनके योगदान के अलावा उनकी मानवता, हस्मुख और मिलनसार स्वभाव के लिए हम सभी उन्हें सबसे अधिक याद करेंगे। डोंज़े वर्ष 2002 में मीडिया रिलेशंस एंड कम्युनिकेशंस मैनेजर के रूप में वाडा में शामिल हुए। उन्हें वर्ष 2011 में लुसाने में वाडा के यूरोप कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय संघ संबंधों के निदेशक बनाया गया। तथा 2016 में वह वाडा सीओओ नियुक्त किये गये।

केन्द्र सरकार प्रतिबंधित मामले को फीफा के साथ अच्छे से उठाये : सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे

नयी दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह भारतीय फुटबॉल को प्रतिबंधित करने के मामले में खेल के वैश्विक नियमन फीफा के साथ अच्छे तरीके से उठाये और यह सुनिश्चित करे कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे।

गौरतलब है कि भारतीय फुटबॉल से जुड़े संगठनों के विवाद के बीच फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को 14 अगस्त, 2022 से निलंबित कर दिया है।

एआईएफएफ के मामले की सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति जमशेद बुरजोर पारदीवाला की पीठ ने बुधवार को इस मामले को सुलझाने के लिए केन्द्र सरकार को फीफा के साथ 'सक्रियता के साथ बातचीत' करने का कहा।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध के अनुसार एआईएफएफ से संबंधित मामले में सुनवाई अगली तारीख के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले आज जब मामले की सुनवाई शुरू हुई तो भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को अवगत कराया कि केंद्र सरकार ने फीफा के सामने निलंबन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि 'स्थिति पहले से बेहतर हुई है' और उन्होंने इस मामले में और जानकारी देने के लिए अदालत से अगले सोमवार तक का समय मांगा। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई सोमवार, 22 अगस्त को मुकर्रर की है।

उल्लेखनीय है कि फीफा ने 'तीसरे पक्ष' के अनुचित हस्तक्षेप का हवाला देते हुए एआईएफएफ को 15 अगस्त को निलंबित कर दिया है। इसके फलस्वरूप भारत से फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी भी छिन गयी है यह टूर्नामेंट भारत में अक्टूबर 2022 में कराया जाना था। फीफा ने 16 अगस्त को जारी एक बयान में कहा कि भारतीय फुटबॉल के मामले में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप खत्म होने और प्रशासकों की समिति की नियुक्ति के आदेश के निरस्त होने के बाद तथा एआईएफएफ के रोजमर्रा के कार्य उसकी कार्यकारी समिति के हाथों में जाने के बाद निलंबन का आदेश हटाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट शृंखलाएं खेलेगा भारत

मुंबई, 17 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को 2023-27 की अवधि के लिये पुरुषों के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की जिसके तहत भारत आगामी चार सालों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो-दो टेस्ट श्रृंखलाएं खेलेगा। आईसीसी द्वारा जारी होने वाला एफटीपी एक निश्चित समयावधि के दौरान होने वाले तीनों प्रारूपों के मुकाबलों की पुष्टि करता है, जबकि टीमें अपनी सहूलत के अनुसार इन मुकाबलों की तिथियां सुनिश्चित कर सकती हैं। भारत अगले चक्र में अपने अभियान की शुरुआत जुलाई 2023 में वेस्ट इंडीज़ दौरे से करेगा। सीमित ओवर शृंखला में ऑस्ट्रेलिया की मेज़बानी करने के बाद भारतीय टीम दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका जाएगी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-21 में दूसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम इस चक्र में अपनी पहली पांच टेस्ट मैचों की शृंखला इंग्लैंड के खिलाफ जनवरी 2024 में खेलेगी। इसके अलावा भारत ऑस्ट्रेलिया में (नवंबर-जनवरी 2025), इंग्लैंड में (जून 2025) और घर पर (जनवरी-फरवरी 2027) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में हिस्सा लेगा। जून 2018 में बेंगलुरू में टेस्ट में पदार्पण करने वाली अफगानिस्तान टीम 2026 में एक बार फिर भारत में अपना एकलौता टेस्ट मैच खेलेगी।

आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, ''अगले चार वर्षों के लिए इस एफ़टीपी को बनाने में किए गए प्रयासों के लिए मैं अपने सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारे पास खेल के तीन जीवंत प्रारूप हैं। आईसीसी वैश्विक कार्यक्रमों और मजबूत द्विपक्षीय और घरेलू क्रिकेट के उत्कृष्ट कार्यक्रम के साथ और यह एफ़टीपी हर तरह के क्रिकेट को फलने-फूलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।''

युवा भारत के सामने नये ज़िम्बाब्वे की चुनौती

- ज़िम्बाब्वे ने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया है वहीं बांग्लादेश को पटखनी दी है

हरारे, 17 अगस्त। युवा प्रतिभाओं से भरपूर भारतीय टीम गुरुवार को एक ऐसी ज़िम्बाब्वे से मुकाबला करने उतरेगी जिसने पिछले कुछ समय में अपेक्षाओं के विपरीत शानदार प्रदर्शन किया है।

ज़िम्बाब्वे एक कमज़ोर टीम मानी जाती है, लेकिन इस साल उसने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया, और फिर बांग्लादेश को टी20 (2-1) और एकदिवसीय शृंखला (2-1) में पटखनी दी।

बांग्लादेश के खिलाफ खेली गयी शृंखला में ज़िम्बाब्वे को सिकंदर रज़ा और रायन बर्ल जैसे कई मैचविनर मिले। रज़ा ने इस साल खेले गये नौ एकदिवसीय मुकाबलों में दो शतक और दो अर्द्धशतक बनाए हैं।

दूसरी ओर, भारतीय टीम में केएल राहुल लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं और एशिया कप की तैयारी के मद्देनज़र यह शृंखला उनके लिये बेहद महत्वपूर्ण है। वह आखिरी बार मई 2022 में हुए आईपीएल एलिमिनेटर के लिये मैदान पर उतरे थे। शुभमन गिल और शिखर धवन वेस्ट इंडीज़ दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए ज़िम्बाब्वे आ रहे हैं जहां वे अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे।

भारत अब पूरी तरह से अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में जुट गया है, जो उनके टीम चयन में भी साफ ज़ाहिर है।

ज़िम्बाब्वे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये भी टीम में कई युवा टी20 विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, जो ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में जगह बनाने के लिये अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे।

इन खिलाड़ियों में सबसे पहला नाम दीपक चहर का है जो राहुल की तरह ही चोटिल होकर टीम से बाहर थे। राहुल त्रिपाठी और शाहबाज़ अहमद भी इस शृंखला में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर सकते हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल में अपना लोहा मनवा चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिले अवसर को पूरी तरह भुनाना चाहेंगे।

सीरीज़ के तीनों मैच हरारे की पिच पर खेले जाएंगे जो बल्लेबाजों की हितैषी मानी जाती है। भारत ने 2013 से इस मैदान में नौ मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है, हालांकि ज़िम्बाब्वे को इस बार कम आंकना सही नहीं होगा और धवन भी इस बात को स्वीकार चुके हैं।

उपकप्तान धवन ने मंगलवार की संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की है। वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और यह हमारे लिये अच्छी बात है। हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते।''

राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं रसेल

लंदन, 17 अगस्त। वेस्ट इंडीज़ के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिये राष्ट्रीय टीम में वापसी की मंशा जताई है।

उल्लेखनीय है कि रसेल पिछले साल यूएई में हुए टी20 विश्व कप 2020 के बाद से टीम से बाहर हैं, हालांकि अपने हमवतन और पूर्व क्रिकेटर डैरेन सैमी से स्काई स्पोर्ट्स पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिये एक और विश्व कप जीतने की इच्छा रखते हैं।

रसेल ने कहा, ''मैं हमेशा खेलना और टीम का कर्ज चुकाना चाहता हूं, लेकिन अगर हम कुछ शर्तों पर राजी नहीं हैं... उन्हें भी मेरी कुछ शर्तों का सम्मान करना चाहिये। अंततः, जो है सो है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे परिवार भी हैं, और हमें यह सुनिश्चित करना होता है कि हम अपने एकलौते करियर को सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करें। ऐसा नहीं है कि मैं दोबारा अपने करियर की शुरुआत कर सकता हूं। मेरी उम्र 34 साल है और मैं वेस्ट इंडीज के लिये एक या दो और विश्व कप जीतना चाहता हूं।''

रसेल अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 67 टी20 खेल चुके हैं और वेस्ट इंडीज़ की दोनों टी20 विश्व कप जीतों (2016, 2021) में टीम का हिस्सा रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का हिस्सा बनने के लिये भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''मरून (वेस्ट इंडीज़ की जर्सी का रंग) पूरी तरह छाया हुआ है। सच कहूं तो मैंने फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में दो शतक बनाए हैं और मेरी इच्छा है कि दोनों शतक वेस्ट इंडीज के लिये बने होते। मुझे यह कहने पर अफसोस नहीं है। मुझे जमैका तलावाज़ के लिये खेलना अच्छा लगा, लेकिन वे दो शतक अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने होते तो और भी खास होते।''

रसेल इस समय इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके बाद वह कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स का हिस्सा बनेंगे। वेस्ट इंडीज के दिग्गज क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेनेस ने यह सुझाव दिया था कि यदि कोई खिलाड़ी सीपीएल में अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह टी20 विश्व कप की टीम में शामिल हो सकता है। उन्होंने हालिया बयान

में कहा था, ''अगर वेस्ट इंडीज को प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है और कोई खिलाड़ी अच्छा खेल रहा है, तो मुझे लगता है कि उसका नाम चयन के लिये ऊपर आना चाहिये।''

पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित खिलाड़ियों का चयन

जालंधर, 17 अगस्त। गुजरात में होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने बुधवार को बताया कि 30 सितंबर से सात अक्टूबर तक राजकोट (गुजरात) में शुरू होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के चयन हेतु बलदेव सिंह (द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित), ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी, सुखजीत कौर (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) और कोच अमरजीत सिंह की चयन समिति ने 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया है। इस टीम में गुरजीत कौर, सियामी (दोनों ओलंपियन), योगिता बाली, नवप्रीत कौर, राजविंदर कौर, बलजीत कौर, जसप्रीत कौर, रणसनप्रीत कौर, हरदीप कौर, रितु रानी, गगन, प्रियंका, रोन्सेलीन रिलेटा, रिंट (सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी), सिमरन चोपड़ा, जसदीप कौर, कमलप्रीत कौर, ज्योतिका, किरणदीप कौर (सीनियर), नवजोत कौर, किरणदीप कौर (जूनियर), महिमा , काजल, अमरदीप कौर, सिमरन सैनी, प्रियंका (जूनियर), तरणप्रीत कौर, शालू, सोनी और रीना (सभी राष्ट्रीय खिलाड़ी) का नाम शामिल है।

शम्मी ने कहा कि इन 30 संभावित खिलाड़ियों के लिए पांच से 25 सितंबर तक अमृतसर के गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी एस्ट्रोटर्फ हॉकी ठाउंड में कोचिंग कैंप का आयोजन किया जाएगा।

गत कुछ हफ्तों में दक्षिण जापान के शहर यामागूची में बंदरों का एक झुण्ड कम से कम 50 लोगों पर हमला कर चुका है, हालांकि, किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। अधिकारियों का कहना है कि बंदर अधिकतर बच्चों और महिलाओं को लक्ष्य बना रहे हैं, परंतु वृद्धों पर हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं। शहर के एक अधिकारी, मासातो साइतो ने कहा, ''ये बंदर बहुत चतुर हैं, चुपचाप पीछे से आकर टांगें पकड़ लेते हैं। मैंने पूरे जीवन में ऐसा कुछ नहीं देखा है।'' जैपनीज़ मकाक, जिन्हें स्नो मंकीज़ भी कहते हैं, सर्दी के दिनों में हॉट स्प्रिंग्स में नहाने के लिए जाने जाते हैं। ये बंदर 20-30 के समूह में रहते हैं, लेकिन कभी-कभी एक गुट में सौ बंदर भी देखे गए हैं। एक समय ये बंदर जापान में संकटग्रस्त थे, लेकिन अब इनकी आबादी बढ़ी है और इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने इन्हें ''कम चिन्ताजनक'' वर्ग में सूचिबद्ध किया है। इन जानवरों की उम्र 22 से 27 साल होती है। नर जैपनीज़ मकाक तकरीबन 25 पाउण्ड और मादा 18.5 पाउण्ड तक की होती हैं। कोबे युनिवर्सिटी में वाइल्डलाइफ मैनेजमैंट विशेषज्ञ, मेको कियोनो ने कहा, ''मकाक की आबादी बढ़ रही है लेकिन साथ ही साथ इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं इसलिए मनुष्य और बंदर के बीच टकराव की घटनाएं बढ़ रही हैं।'' एडो काल (1603-1867) से ही जैपनीज़ मकाक मंकी मनुष्य के साथ मिलजुलकर रह रहे हैं। जापान पर्वतीय देश है और लोग पहाड़ों के पास रहते हैं जो इन बंदरों का भी घर है इसलिए गांवों और शहरों में इनका आना -जाना आसान है। बताया जा रहा है कि इन दिनों कुछ बंदर तो खिड़की -दरवाज़ों से मकानों में घुसकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। पिछले दिनों घर में सो रहे एक वृद्ध पर बंदरों ने हमला किया। बंदरों को पकड़ने के लिए जाल आदि लगाना असफल रहा है इसलिए अब ट्रैंकुलाइज़र्स की मदद से इन्हें पकड़ने की मुहिम शुरु की गई है।

'अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए दूसरे देशों में युद्ध करवाता है'

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाये

- **पुतिन ने कहा कि, अमेरिका ने यूक्रेन के मन में रूस के प्रति शत्रुता को प्रोत्साहित किया। उन्होंने ताईवान का भी जिक्र किया और कहा कि, अपने फायदे के लिए चीन और ताईवान में बैर पनपाया गया है।**

मॉस्को, 17 अगस्त। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के मन में रूस के प्रति शत्रुता को प्रोत्साहित किया, अमेरिका अपने वर्चस्व के लिए इस तरह से झगड़े करा रहा है।

पुतिन ने ताइवान का भी जिक्र किया। कहा कि जल्द ही अमेरिका का एकाधिकार खत्म होगा। रूस ने यूक्रेन में रासायनिक और परमाणु हमले के दावों का भी खंडन किया और कहा कि यह पश्चिमी देशों द्वारा फैलाया जा रहा है बेतुका प्रोपेगेंडा है।

अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के सैन्य अधिकारियों के एक सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने लंबे समय से किए जा रहे दावे की पुष्टि की और कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को रूसी विरोधी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। इसलिए इसके जवाब में रूस को यूक्रेन में सेना भेजनी पड़ी।

पुतिन ने आरोप लगाया, अमेरिका को अपना आधिपत्य बनाए रखने के लिए संघर्ष की जरूरत है। इसीलिए अमेरिका ने यूक्रेन के लोगों को बलि के रूप में इस्तेमाल किया। यूक्रेन की स्थिति से पता चलता है कि अमेरिका संघर्ष को जारी रखने की कोशिश कर रहा है, और यह ठीक उसी तरह है जैसे अमेरिका एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में संघर्षों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बुधवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस बयान की चीन अत्यधिक सराहना करता है कि अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा 'सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उकसावा' था।

रूसी नेता के बयानों पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर राजनयिक ने कहा, चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा व्यक्त किये गये रुख की बहुत सराहना करता है। वांग ने कहा कि जब से पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया है 170 से अधिक देशों ने वन चाइना सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और अपनी राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए बीजिंग के प्रयासों का समर्थन किया है।

वांग के अनुसार पुतिन की राय चीन और रूस के बीच उच्च स्तर के रणनीतिक सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है।

चीन ने द्वीप पर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के दौरे का बार-बार विरोध किया था क्योंकि वह ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और ताइपे के साथ किसी भी प्रत्यक्ष आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है।

अगस्त की शुरुआत में पेलोसी की द्वीप की यात्रा ने ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव का एक नया दौर शुरू कर दिया और ताइवान के खिलाफ चीनी प्रतिबंधों की एक लहर शुरू हो गयी। इसके अलावा बीजिंग ने द्वीप के आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें ताइवान के हवाई क्षेत्र के करीब लाइव-फायर ड्रिल और सैन्य विमान ओवरफ्लाइट शामिल थे।

चीनी राष्ट्रवादी पार्टी (कुओमिन्तांग) का गढ़ बनने के बाद ताइवान बीजिंग से अलग हो गया, जिसे 1949 में एक गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। चीनी मुख्य भूमि और द्वीप ने 1980 के दशक के अंत में व्यापार और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किया।

कोटपूतली में नगर पालिका द्वारा तोड़ फोड़ की कार्यवाही कानूनी दलदल में फंसी

-यादवेन्द्र शर्मा-

- **हाई कोर्ट में कोटपूतली नगर पालिका द्वारा अदालती आदेश के विरूद्ध तथा न्यायिक प्रक्रिया की अवहेलना करते हुए इमारतें ध्वस्त करने के संबंध में याचिकायें दायर।**
- **मानवाधिकार आयोग में भी याचिका दायर की गई है।**
- **हाई कोर्ट में दायर एक याचिका में मुख्य न्यायाधीश की खण्डपीठ से गुहार की गई है कि वह आदेश पारित करें कि अदालत ने नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने के नोटिस पर जो रोक लगाई थी, वह नगर पालिका में रहने वाले सभी लोगों के हित में दिया गया आदेश था, न केवल उन लोगों के हित में जिन्होंने अदालत में याचिका दायर की थी।**

जयपुर, 17 अगस्त। राजस्थान हाई कोर्ट में इस माह की छः तारीख को कोटपूतली नगर पालिका द्वारा 68 इमारतों को भूमि अवाप्त करे बिना तथा न्यायिक प्रक्रिया की अवहेलना करते हुए, ध्वस्त करने से संबंधित नौ याचिकायें दायर की गई हैं। इन नौ मामलों के अलावा मानवाधिकार आयोग में भी मामला दायर किया गया है।

न्यायाधीश महेन्द्र गोयल की एकल पीठ के समक्ष दायर आठ मामलों में कई याचिकाकर्ता ऐसे हैं जिनका पट्टा रद्द करने के लिए नगर पालिका ने उन्हें ''म्युनिसपैलिटीज़ एक्ट'' की धारा 73 के तहत नोटिस जारी किया है। इसके अलावा इस एकल पीठ के समक्ष चार ऐसी याचिकायें भी हैं, जिनमें वे मकान या दुकान भी नगर पालिका ने ध्वस्त कर दिये, जिनके मालिक सात जनवरी को ही राजस्थान हाई कोर्ट से अपने पक्ष में स्थगन के आदेश लेकर आये थे। तब अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि नगर पालिका किसी भी मकान मालिक या दुकानदार की इमारत तब तक नहीं तोड़ सकती, जब तक कि उसे कानूनी प्रक्रिया के अनुसार अवाप्त नहीं कर लिया जाता और मकान मालिक या दुकानदार को मुआवजा या जमीन के बदले जमीन और मुआवजा न दिया गया हो। याचिकाकर्ता के वकील अर्चित बोरा का कहना है कि नगर पालिका ने हाई कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुये जमीन आवाप्त करने के लिए न तो न्यायिक प्रक्रिया अपनाई और न ही नोटिस जारी किये। गौरफरमाने योग्य है कि कोटपूतली के स्थानीय जिलाध्यक्ष ने मीडिया में बयान दिया है कि, उन्होंने ऐसी किसी भी दुकान या इमारत को ध्वस्त नहीं किया है जिसे अदालत से स्टे मिला है। जबकि चार याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्हें अदालत ने स्टे दिया था फिर भी नगर पालिका ने उनके भवन तोड़ दिए हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट में दायर नौ याचिकाओं में से एक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी की खण्ड पीठ के समक्ष लगी है। याचिकाकर्ता के वकील अर्चित बोरा ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट की खण्डपीठ में गुहार की है कि वह अपने आदेश में स्पष्ट करे कि नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने के नोटिस पर अदालत ने जो स्थगन आदेश दिये थे, वह अदालत में याचिका दायर करने वाली पार्टियों के ही नहीं बल्कि नगर पालिका क्षेत्र में रह रहे सभी लोगों, व्यापारियों व भूखण्ड मालिकों के हित में दिए गए थे, अर्थात् यह स्थगन आदेश नगर पालिका पर पूरी तरह लागू होता है। गौरफरमाने योग्य है कि नगर पालिका अदालत में यह सिद्ध नहीं कर पायी कि जिन लोगों को नोटिस दिये गये थे, उनमें से किसी ने भी कोई भी अतिक्रमण किया था।

इस मामले को जानने वाले कई लोगों का कहना है कि प्रशासन व स्थानीय विधायक लोगों को उनकी भूमि से हटाकर, उक्त क्षेत्र से 10 से 15 किलोमीटर दूर पनियाला में पुनः स्थापित करना चाहती है, परन्तु नगर पालिका सभी स्थानीय लोगों को मुआवजा या भूमि नहीं देना चाहती। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका के अधिकारी मीडिया में बयान दे चुके हैं कि वह चार या पांच से ज्यादा लोगों की भूमि अवाप्त नहीं करेगी।

'क्या ये चुनावी वादे देश की इकॉनमी के लिए सही हैं?'

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, इस पर सदन में बहस व चर्चा होनी चाहिये, हम किसी राजनीतिक दल को चुनावी वादे करने से नहीं रोक सकते

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी लोकलुभावन वादों के खिलाफ दायर याचिका पर बुधवार को कहा कि वह राजनीतिक दलों को मतदाताओं से वादे करने से नहीं रोका सकता।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि वह राजनीतिक दलों को मतदाताओं से वादे करने पर रोक नहीं सकती लेकिन इस मुद्दे पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, पीने के पानी जैसी आवश्यक चीजों को जनता तक तक पहुंचाने को मुफ्त उपहार की श्रेणी में माना जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वास्तव में ये कुछ ऐसी योजनाएं हैं, जो नागरिकों के अधिकार हैं तथा उन्हें जीवन की गरिमा प्रदान करती हैं।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा कि यह मुद्दा 'तेजी से जटिल' होता जा रहा था और सवाल यह था कि सही वादे क्या हैं? पीठ ने कहा,हम राजनीतिक दलों को वादे करने से नहीं रोक सकते हैं। सवाल यह है कि बहस और चर्चा होनी चाहिए कि सही वादे क्या हैं। क्या हम मुफ्त शिक्षा के वादे, सत्ता की कुछ आवश्यक इकाइयों को मुफ्त के रूप में वर्णित कर सकते हैं?

मुख्य न्यायाधीश ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराने वाली 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' जैसी योजना का भी हवाला दिया।

न्यायमूर्ति रमना ने संबंधित पक्षों से कहा, मनरेगा ऐसी योजना है, जो जीने की गरिमा देती हैं। मुझे नहीं लगता कि वादे केवल पार्टियों के चुने जाने का आधार हैं। कुछ वादे करते हैं और फिर भी वे नहीं चुने जाते। आप सभी अपनी राय दें और फिर विचार के बाद हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने राजनीतिक दलों द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में मुफ्त उपहारों के वादे पर प्रतिबंध लगाने या ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की शीर्ष अदालत से लगाई है।

मोदी-शाह ने भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, को संसदीय बोर्ड में फिर से शामिल कर लिया गया है।

फड़णवीस चुनाव समिति में शामिल किये गये हैं। उन्हें यह तोहफा संभवतः इसलिये दिया गया है कि जब शिवसेना के विद्रोही नेता एकनाथ शिंदे के साथ, भाजपा महाराष्ट्र की सत्ता में आई थी, तो फड़णवीस पर उपमुख्यमंत्री का अपेक्षाकृत छोटा स्वीकार करने के लिये दबाब डाला गया था तथा उन्होंने पार्टी के आदेश का पालन किया था।

शिवराज सिंह संसदीय बोर्ड से बाहर कर दिये गये हैं। यह निर्णय एक ऐसे व्यक्ति के लिये निश्चित रूप से एक बड़ा धक्का है, जो 20 साल तक मुख्यमंत्री रहा है।

येदियुरप्पा को पिछले साल पार्टी की अंदरूनी लड़ाई तथा भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते, मुख्यमंत्री पद से त्याग पत्र देने के लिये बाध्य किया गया था। 77 वर्ष के हो जाने के कारण, वे पार्टी की 75 वर्ष की अलिखित आयु सीमा को पार कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि ये प्रभावशाली लिंगायत राजनेता कुछ दिनों से नाखुश थे तथा पार्टी उन्हें सान्त्वना देना चाहती थी ताकि अगले वर्ष होने वाले कर्नाटक के चुनावों में उनके सहयोग का लाभ सुनिश्चित हो सके। लिंगायत राजनैतिक रूप से एक ताकतवर समुदाय है जिसके कर्नाटक में करीब 18 प्रतिशत वोट हैं।

सर्बानन्द सोनोवाल, जो इस साल के शुरू में भाजपा के दोबारा सत्ता के बाद, हिमान्ता बिस्वा सरमा के लिये रास्ता छोड़ देने के लिये सहमत हो गये थे, को संसदीय बोर्ड तथा केन्द्रीय चुनाव समिति- दोनों में नामजद कर दिया गया है।

इस फेरबदल में केवल मोदी, शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा तथा पार्टी महासचिव बी.एल. संतोष अपने-अपने स्थान अटल एवं यथावत बने हुये हैं।

कुछ ठीक नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इकाई की एक अहम बैठक शुक्रवार को आहूत की जा रही हैं।

शायद पार्टी की चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए लिंगायत संप्रदाय के दबंग नेता एवं दक्षिण भारत में भाजपा को सत्ता में लाने वाले येदियुरप्पा को पुनः महत्व प्रदान करते हुए पार्टी की शीर्ष निर्णय मण्डल में लिया गया है, और चूंकि वह टिकट वितरण का भी निर्णय लेंगे, इसलिए इस कदम को उनके लिंगायत वोट बैंक पर भरोसा करने के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी वोट बैंक को लेकर लिंगायत मठों के दौरे करने शुरू किए थे। येदियुरप्पा ने विश्वास व्यक्त किया कि वह नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और अपनी जिम्मेदारी निभाकर अगले वर्ष होने जा रहे कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पार्टी की वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह दक्षिण भारत में पार्टी का प्रदर्शन सुधरवाने में मदद करें। लोकसभा में दक्षिण भारत के 130 सांसद हैं।

'हम रोहिंग्याओं को फ्लैट देकर दिल्ली में बसायेंगे'

- **केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस बयान पर चौतरफा विरोध के बाद केन्द्र सरकार बैकफुट पर आई।**

नई दिल्ली, 16 अगस्त। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों को बाहरी दिल्ली के बक्करवाला में अपार्टमेंट में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और उन्हें बुनियादी सुविधाएं और पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की जाएगी। उनके इस बयान के बाद भारी बवाल मच गया। इसके बाद गृह मंत्रालय को इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा।

इस ट्वीट के बाद आम आदमी पार्टी तथा खुद भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता इसके विरोध में उतर आये और उन्होंने इसकी कड़ी आलोचना की। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और रोहिंग्याओं को आवास प्रदान करने के बजाय उन्हें वापस भेजने की व्यवस्था करने का आग्रह करते हैं।

बता दें, ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) द्वारा किया गया है और टिकरी सीमा के पास बक्करवाला इलाके में स्थित हैं। गृह मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राजधानी में अवैध रूप से रहने वाले रोहिंग्या समुदाय के लोगों को दिल्ली में फ्लैट नहीं दिये जायेंगे और उसने इस संबंध में किसी को कोई निर्देश नहीं दिया है।

मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मीडिया के एक वर्ग में इस तरह की खबर आ रही है कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों को राजधानी के बक्करवाला में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बनाये गये फ्लैट दिये जायेंगे।

दरअसल यह विवाद केन्द्रीय शहरी कार्य एवं आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के एक ट्वीट के बाद पैदा हुआ जिसमें कहा गया था कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों को बक्करवाला में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बनाये गये फ्लैट में स्थानांतरित किया जायेगा।

इसके बाद गृह मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि सरकार ने इस संबंध में किसी को कोई निर्देश नहीं दिया है।

इंडियन ओलम्पिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये ओलिम्पियन तीन सदस्यों वाली उस प्रशासकीय समिति के सहायक होंगे, जिसके अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के एक पूर्व जज हैं। इनके अलावा, इस समिति में एक चुनाव आयुक्त तथा एक सरकारी नौकरशाह हैं। अन्तर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक कमेटी ने आई.ओ.ए. को सलाह दी है कि वह अपने चुनाव शीघ्र ही कराये अन्यथा इसे निलम्बित किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि संदर्भित चुनाव पिछले दिसम्बर में हो जाने चाहिये थे।

सरकार ने जूरिख-स्थित फुटबॉल की अन्तर्राष्ट्रीय समिति फीफा के साथ समझौता वार्ता शुरु कर दी है। इस पहल से एक दिन पूर्व, फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फैडरेशन को निलम्बित कर दिया था तथा महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप के आयोजन की अनुमति भी नहीं दी थी। उच्च न्यायालय ने आई.ओ.ए. के खिलाफ, उसके नेशनल स्पार्ट्स कोड के साथ तालमेल बिठाने में ''निरंतर अक्खड़पन'' के कारण, आदेश जारी कर दिये हैं।

न्यायालय ने कहा कि आई.ओ.ए. के लाइफटाइम प्रेसिडेन्ट जैसे पद नेशनल कोड के खिलाफ हैं तथा अदालत चाहती है कि वरिष्ठ अधिकारी अपने पद पर तीन कार्यकाल से ज्यादा नहीं रहें। अदालत यह भी चाहती है कि महिलाएं भी वरिष्ठ पदों पर नियुक्त की जायें तथा बोर्ड में लैंगिक समानता रहे। अदालत ने कहा, ''खेल प्रशासन केवल पुरुष के लिये आरक्षित नहीं है।''

'चुनाव लड़ना ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश लोकेन्द्र सिंह व अन्य की याचिकाओं पर दिए। वहीं एक अन्य छात्र नेता की याचिका पर एकलपीठ गुरुवार को सुनवाई करेगी।याचिकाओं राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ संविधान के प्रावधान को चुनौती देते हुए कहा गया कि छात्रसंघ चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम आयु 25 साल निर्धारित की गई है, जबकि पिछले दो साल से करोना के चलते चुनाव नहीं हुए हैं। इसलिए याचिकाकर्ता आयु सीमा को पार कर गए हैं। राज्य सरकार ने सरकारी सेवाओं में भी आवेदन के लिए आयु सीमा दो साल बढ़ाई है। ऐसे में चुनाव लड़ने के लिए भी आयु सीमा में दो साल की छूट दी जानी चाहिए। इस पर राज्य सरकार की ओर से एएजी विभूति भूषण शर्मा और विवि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए.के. शर्मा व रचित शर्मा ने बताया कि लिंगदोह कमेटी और छात्रसंघ संविधान के अनुसार चुनाव कराए जा रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कोई मूल अधिकार प्रभावित नहीं हो रहा है। जिनका परीक्षा परिणाम नहीं आया है, उन्हें भी मताधिकार का अधिकार दिया गया है।

बिहार में कोई सशक्त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस समय त्वरित काम तो बिहार विधायिका के दोनों सदनों के लिये विपक्ष के नेता तथा, इससे साथ ही, उपनेताओं तथा एक मुख्य सचेतक का चयन करना है। भूपिन्दर यादव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल कर लिये जाने के बाद, भाजपा के पास पार्टी महासचिव एवं बिहार प्रभारी नहीं है। राज्य इकाई के अध्यक्ष पद के लिये भी पार्टी को एक नये चेहरे की जरूरत है क्योंकि वर्तमान राज्य अध्यक्ष संजय जायसवाल का कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है।

नीतीश कुमार के एन.डी.ए. से अलग हो जाने के बाद, भाजपा के सामने अपनी हिन्दुत्व-राजनीति को पिछड़ी जातियों की आकांक्षाओं के साथ मिला देने की नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं।

पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, जहां समाजवादी आंदोलन कमजोर हो चुका दिखाई दे रहा है, के विपरीत बिहार की राजनीति की जड़ें अभी भी जाति एवं पिछड़ों की राजनीति में जमी हुई हैं। दो साल के अंतराल के साथ, 17 साल तक जे.डी.यू. की गठबंधन पार्टनर रहने के बावजूद, भाजपा एक मजबूत प्रांतीय नेतृत्व तैयार करने में असफल रही है। बिहार में आगामी भूमिका के लिये पार्टी नेतृत्व जिन नामों पर विचार कर रहा है, उनमें समर्थ चौधरी का नाम भी शामिल है, जो ओ.बी.सी. समुदाय से हैं।

सूत्रों ने संकेत दिया कि भाजपा ने बिहार के लिये तिफारी रणनीति बनाई है। पहली, ई.सी.बी. तथा महा दलितों के कुमार के वोट बैंक में सैंध लगाने की कोशिश करना, दूसरे, राज्यव्यापी ''पोल खोल'' (कुमार का कच्चा चिट्ठा खोलना) अभियान छेड़ना तथा लालू प्रसाद के ''जंगल राज'' एवं भ्रष्टाचार के युग की वापसी पर जोर देना तथा तीसरे, नई बिहार सरकार की उन कोशिशों को नाकाम करना, जिनके अंतर्गत वह राज्य में जातिगत जनगणना शुरू करने के निर्णय के माध्यम से मंडल-2 प्रारंभ करना चाहती है। ऐसी संभावना भी है कि आने वाले सप्ताहों और महीनों में, सी.बी.आई., ई.डी. तथा आयकर विभाग लालू के खिलाफ केसों पर विशेष जोर दे सकते हैं।

'रूस से खरीदे गये ऑयल में हमारा खून मिला हुआ है'

यूक्रेन के प्रधानमंत्री के इस बयान के जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि, भारत के लोग गरीब हैं और बहुत ऊँची कीमतों पर पैट्रोल-डीजल नहीं खरीद सकते

नई दिल्ली, 17 अगस्त। रूस से तेल खरीदने को लेकर यूक्रेन ने भारत पर अपनी भड़ास निकाली है। यूक्रेन का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत यूक्रेन का खून खरीद रहा है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। उसके बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन भारत ने पश्चिमी देशों की आलोचना के बावजूद रूस से तेल खरीदना जारी रखा। भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद तेल आयात बढ़ाया है और उसके साथ व्यापार भी जारी रखा है।

इस मुद्दे पर यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन को भारत से ''अधिक व्यावहारिक समर्थन'' की उम्मीद है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कुलेबा ने तर्क दिया कि यूक्रेन भारत का एक विश्वसनीय भागीदार रहा है, लेकिन रूस से कच्चा तेल खरीदकर, भारत असल में यूक्रेनी खून खरीद रहा है। भारत को लेकर यूक्रेन की ये सख्त टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि तेल एवं गैस की ''अनुचित रूप से अधिक'' कीमतों के बीच सरकार का अपने लोगों के प्रति नैतिक दायित्व है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के चलते अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए लेकिन भारत ने अपनी हितों को ध्यान में रखते हुए बीच का रास्ता निकाला और रूस से तेल खरीदता रहा। कई मंचों पर भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेशी मीडिया के सवाल पर करारा जवाब दिया। इसी कड़ी में एक बार फिर से जयशंकर ने दो टूक जवाब देते हुए बताया कि भारत रूस से तेल क्यों खरीद रहा है।

दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा भारत 2000 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय वाला देश है। यहां के लोग वे नहीं हैं जो ऊर्जा की बढ़ी कीमतों को वहन कर सकते हैं। ऐसे में यह मेरा दायित्व और नैतिक कर्तव्य है कि मैं उन्हें सबसे अच्छी डील करके दूं। विदेश मंत्री जयशंकर थाईलैंड के बैंकॉक में भारतीय समुदाय के संग बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान रूस से तेल खरीदने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि हर देश बढ़ती ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए सबसे अच्छा और मुफीद सौदा पक्का करने की कोशिश करेगा और भारत ठीक ऐसा ही कर रहा है। जयशंकर ने यह भी कहा कि यूरोप मध्य पूर्व और अन्य दूसरे सोर्स से तेल खरीद रहा है तो भारत को भी सबसे अच्छा सौदा पक्का करने का हक है।

जयशंकर ने यह भी कहा कि हम अपने हितों को लेकर बेहद ईमानदारी और खुले तौर पर काम कर रहे हैं। देश के नागरिक तेल गैस की उतनी ऊंची कीमतों का बोझ नहीं उठा सकते हैं। आने वाले समय में पश्चिमी देश इसे समझेंगे और भारत के कदम का भले ही स्वागत न करें लेकिन वो मानेंगे कि भारत ने अपने नागरिकों के लिए सही कदम उठाया है।

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि तेल और गैस की कीमतें असंगत रूप से अधिक हैं। बहुत सारे पारंपरिक आपूर्तिकर्ता यूरोप की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि यह महाद्वीप रूस से कम तेल खरीद रहा है।

यूरोप मध्य पूर्व और अन्य जगहों से बहुत अधिक तेल खरीद रहा है, ऐसे में भारत को सप्लाई कौन करेगा। हर देश अपने नागरिकों के लिए स्वाभाविक तौर पर सबसे अच्छा सौदा करने की कोशिश करेगा।

रोहिंग्यास....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक कानून के तहत बंदी केन्द्र (डिटैन्शन सैंटर) में रखा जाना चाहिए। विज्ञप्ति में दिल्ली सरकार को निर्देश दिया गया है कि रोहिंग्या अभी जहां रह रहे हैं उस जगह को तुरंत डिटैंशन सैंटर घोषित किया जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600